हरिभूमि
इस्पात भूमि
रायपुर, शनिवार 27 जून 2026

तापमान

अधिकतम 37.0 डिग्री

न्यूनतम 26.6 डिग्री

12 गांवों में फैल रहा अवैध गुटखा और नकली...

13 जिले के पंचायत सचिवों पर कार्रवाई का हो ...

भिलाई | दुर्ग | भिलाई-3 | कुम्हारी | जामुल | उतई | सेलूद | पाटन | अहिवारा | मुरमुंदा | धमधा | अण्डा | जामगांव - आर

न्यू
ओम ज्वेलर्स
हर 6000/- की खरीदी पर एक चांदी का सिक्का फ्री
शुद्ध सोने एवं चांदी के जेवरों के विक्रेता
टोटल हालमार्क ज्वेलरी उपलब्ध
जवाहर मार्केट, मेन सर्विस रोड, पावर हाऊस, भिलाई SUNDAY OPEN
शुभ खरीदी के लिए ओम ज्वेलर्स परिवार में आपका स्वागत है
• मिनीमम एमाउंट में बुकिंग करें • जितना सोना उतना चांदी फ्री
संबंधित प्रतिष्ठान : ओम ज्वेलर्स
शॉप नं. 64 बी इंदिरा मार्केट, दुर्ग | बाजार चौक, कुम्हारी | रिसाईपारा, धमतरी

खबर संक्षेप

अभिनेता सोनू सूद आज भिलाई में

भिलाई। सूद चैरिटी फाउंडेशन और सोनू सूद चैरिटी क्लब द्वारा एनुअल मीट का आयोजन भिलाई में किया गया है। इस कार्यक्रम में शामिल होने बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद शनिवार को भिलाई पहुंचेंगे। इस दौरान वे संस्था की गतिविधियों, सामाजिक पहलों, जनसेवा से जुड़े अनुभवों, भविष्य की योजनाओं तथा वार्षिक सम्मेलन से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार टीम के साथ साझा करेंगे।

जीएम ने मरोदा-ताड़ोकी मार्ग का किया निरीक्षण

भिलाई। बिलासपुर रेलवे जोन के जीएम तरुण प्रकाश ने शुक्रवार को मरौदा से ताड़ोकी रेल सेक्शन का संरक्षा एवं रेल विकासात्मक कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने मरोदा रेलवे स्टेशन पर चल रहे अमृत भारत स्टेशन योजना के विकासात्मक कार्य, अप्रोच रोड, आरआरआई, रेलवे स्टेशन परिसर का गहनता से निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। वे बालोद रेलवे स्टेशन, दल्ली राजहरा रेलवे स्टेशन में चल रहे अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों पर किए जा रहे सौंदर्यीकरण एवं विकासात्मक कार्यों को भी देखने गए। डीआरएम दयानंद सहित अन्य मौजूद थे।

अगले तीन दिन में और हिस्से में बढ़ेगा मानसून

मानसून की दस्तक, बारिश से किसानों की उम्मीदें बढ़ीं

भटका हुआ मानसून शुक्रवार को आखिरकार ट्विनसिटी आ पहुंचा। दिनभर भीषण गर्मी से लोग हलाकान रहे लेकिन अपरान्ह 3.30 बजे अचानक मौसम ने करवट ली। तेज हवाएं चली। आसमान पर काले बादल छाए। गरज-चमक के साथ बारिश शुरू हुई। रात तक रूक-रूक कर बारिश होती रही। इस बारिश ने किसानों की उम्मीदें बढ़ा दी है।

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

वहीं लोगों को भीषण गर्मी से काफी राहत मिली है। मौसम विभाग के हिसाब से आने वाले तीन दिन में मानसून छत्तीसगढ़ के अन्य हिस्सों में आगे बढ़ेगा।

खेती-किसानी की चिंता सबसे ज्यादा

हर साल मानसून 1 जून से 15 जून के बीच आ जाता है। इस बार जून महीने समाप्ति की ओर है और मानसून छत्तीसगढ़ में प्रवेश करने के बाद लौट गया था। जिसकी वजह से जिले के 1.32 हजार किसान खेती का कार्य शुरू नहीं कर पाए हैं। शुक्रवार की बारिश से मानसून दुर्ग पहुंची है इससे किसानों ने राहत की सांस ली है। जिस हिसाब से मानसूनी बारिश नहीं हो रही थी उससे सूखे के हालात दिखाई देने लगे थे। पिछले साल इस समय तक 30 से 35 प्रतिशत खेती किसानी का कार्य हो चुका था।

आज से पूरे प्रदेश में बारिश की गतिविधियां बढ़ेगी

मौसम विभाग के मुताबिक 27 जून से पूरे प्रदेश में वर्षा की गतिविधि बढ़ने की संभावना है। अगले 3-4 दिनों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के छत्तीसगढ़ के बाकी हिस्सों में आगे बढ़ने के लिए परिस्थिति अनुकूल है। दुर्ग-भिलाई सहित प्रदेश में एक-दो स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा हुई। प्रदेश में सर्वाधिक अधिकतम तापमान 39.1°C बिलासपुर में तथा सबसे कम न्यूनतम तापमान 23.8°C पेण्ड्रा रोड में दर्ज किया गया।

गरज-चमक के साथ बारिश के हालात मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि 27 जून को दुर्ग भिलाई सहित प्रदेश में अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। एक-दो स्थानों पर गरज चमक के साथ वज्रपात और भारी वर्षा होने की संभावना है। दो दिनों के बाद पअनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। एक-दो स्थानों पर भारी वर्षा तथा गरज चमक के साथ वज्रपात होने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 37°डिग्री और 25°C के आसपास रह सकता है।

बारिश से मौसम हुआ खुशनुमा

मानसूनी इस बारिश से ट्विनसिटी की फिंजा भी खुशनुमा हो गई। लोग शाम को हल्की बारिश में भी बाहर निकले और लुत्फ उठाया। पिछले कई दिनों से तेज धूप और उमसभरी गर्मी से लोग हलाकान रहे हैं। हाल यह हो गया था कि कूलर-एसी के बिना लोगों का थोड़ी देर रहना मुश्किल हो गया था। इस बारिश ने तापमान को ठंडा कर दिया। मौसम विभाग के हिसाब से शुक्रवार को ट्विनसिटी का तापमान दोपहर तक 37 डिग्री सेल्सियस था। जो सामान्य से 4 डिग्री सेल्सियस अधिक था। न्यूनतम तापमान 26.6 डिग्री सेल्सियस रहा। जो सामान्य से 2.1 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा है। शाम को पारा काफी नीचे चला आया।

ये गलत है : ऑटो में नियम विरुद्ध ढोए जा रहे स्कूली बच्चे, हादसों को दे रहे खुला निमंत्रण

भिलाई। तस्वीर 24 जून को दोपहर करीब 2 :11 बजे टाउनशिप की सड़क की है, जिसमें एक ऑटो में निर्धारित ज्यादा स्कूली बच्चों को ले जाया जा रहा है। इसमें चार बच्चे ऐसे हैं, जिन्हें पीछे की तरफ बैठा दिया गया है। या यह कहें पीछे बैठाकर उन्हें ढोया जा रहा है। ऐसे वाहन पर न पुलिस की नजर पड़ी न ही आरटीओ और शिक्षा विभाग की। न ही पालकों ने किसी प्रकार की आपत्ति की। ऐसे मामलों के कारण ही कई बार हादसे सामने आते हैं, जब दुर्घटना हो तभी प्रशासन जागता है। बता दें कि ऑटो के स्कूली बच्चों को लाने-लेजाने पर पूरी तरह से रोक है। बावजूद ऐसे वाहनों की आवाजाही को आसानी से देखा जा सकता है।

इस पूरे मामले में साजिशकर्ता तक पहुंचेगी पुलिस

स्क्रैप चोरी के 13 आरोपियों के पास मिली 10 करोड़ की संपत्ति, 25 से ज्यादा खाते फ्रीज

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

बीएसपी से स्क्रैप चोरी मामले में पुलिस ने 13 आरोपियों से 10 करोड़ की संपत्ति मिलने की जानकारी मिली है। अकलोरडीह हथखोज भिलाई तीन में स्थित एके ट्रेडर्स में 26 मई को पुलिस ने दबिश देकर करोड़ों रुपए का लोहा जब्त किया था। उसके बाद यह बड़ी चोरी सुर्खियों में है। स्क्रैप चोरी मामले में एसएसपी विजय अग्रवाल ने अलग टीम बनाई है, जो हर एंगल से जांच कर इससे जुड़े लोगों तक पहुंच रही है। आने वाले समय में पुलिस स्क्रैप चोरी मामले का साजिशकर्ता कौन-कौन है, कारोबार का अंतिम व्यक्ति और बीएसपी को कितने का नुकसान हुआ है।

इसे लेकर बड़ा खुलासा करेगी। सालों से बीएसपी के अफसर, सीआईएसएफ के कुछ अफसरों के सांठ-गांठ से लोहा बड़े आसानी से पार किया जाता रहा है। लेकिन इस बार करोड़ों रुपए का लोहा एके ट्रेडर्स से जब्त होने के बाद बीएसपी सुरक्षा व्यवस्था का पोल खोलकर रख दिया है। बीएसपी के फ्लू डस्ट का ठेका लेने वाले कौन-कौन है इसे लेकर भी पुलिस जांच कर रही है। जांच में कई अहम सुराग भी पुलिस के हाथ लगे है। जिसे पुलिस ओपन नहीं कर रही है। इसमें कई कड़ियां एक-एक कर जोड़ा जा रहा है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि स्क्रैप चोरी के मामले में कई बड़े ट्रांसपोर्टर, ठेकेदार और कुछ सफेदपोश तक भी ऑंच पहुंचने लगी है। स्क्रैप चोरी करने में इनका अहम योगदान रहा है। पुलिस इसे लेकर भी बारिकियों से जांच कर उन तक पहुंचने वाली है। इस पूरे मामले में वैशालीनगर विधायक रिकेश सेन ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुलाकात की। उन्होंने इस पूरे मामले में उपलब्ध दस्तावेज सौंपे और केंद्रीय जांच एजेंसी से जांच कराए जाने की मांग की।

आरोपियों से पुलिस लगातार कर रही पूछताछ

स्क्रैप चोरी मामले में पुलिस ने अब तक मास्टर माइंड संजय सिंह, उपेन्द्र उर्फ पिंटू ओझा, रविन्द्र साहू,मदन साहू, इंटर पटेल, घनश्याम गुप्ता, कैलाश शर्मा,तेजराम निषाद, चितानंद, गीतेश शर्मा, निर्मल सिंह. मिथेन ठाकुर, आकाश ठाकुर को पकड़ा गया है। इनके कुल 25-30 खातों को पुलिस ने फ्रीज किया गया है। इसके अलावा संजय सिंह,अभय सिंह के 6-7 खाते भी फ्रीज है। दोनों से करीब 3 करोड़ रुपए के संपत्ति का पता चला है।पुलिस इससे जुड़े की जानकारी जुटाने में जुट गई है स्क्रैप के चोरी से कौन-कौन कितने का संपत्ति बना रखा है। इन संपत्तियों में कितने जेवरात, जमीन और कैस कहां-कहां है। इसके अलावा जिन-जिन बैंक खाते से आरोपियों का लेनदेन हुआ है। उसका भी डाटा भी तैयार किया जा रहा है।खबर है कि कई बड़े ट्रांसपोर्टर, ठेकेदार भी पुलिस के शिकंजा में आ गए है।

स्क्रैप चोरी में लॉस फिर अफसरों पर शिकंजा

लंबे समय से बीएसपी के स्क्रैप चोरी मामले में लॉस कितने का हुआ है। इसे लेकर पुलिस जांच कर हर अफसरों से संपर्क कर जानकारी जुटाई जा रही है। इसके बाद पुलिस बीएसपी और सीआईएसएफ के कई अफसर, जवानों पर शिकंजा कसा जाएगा। इसके लिए पुलिस पूरा खाखा तैयार कर चुकी है, जिस गेट से फ्लू डस्ट के भीतर छिपाकर स्क्रैप को पार किया गया, तब सीआईएसफ के जवानों की मेहरबानी क्यों रही है। गेट पर सीसी कैमरा लगने के बाद भी स्क्रैप बिना इनके सेटिंग से कैसे पार हो गया। जबकि कभी कोई ठेका श्रमिक टिपिन के भीतर कॉपर का छोटा टूकड़ा लेकर निकलने पर टिफिन को खोलकर चेक करने वाली सीआईएसएफ के जवान आखिर स्क्रैप चोरी कैसे चेक करना भूल गई। इस तरह के लापरवाह वसूली बाज जवानों पर गाज गिरने वाली है।

सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा हमारा दायित्व

बीएसपी केवल एक औद्योगिक इकाई नहीं, बल्कि देश की आर्थिक शक्ति और करोड़ों नागरिकों की राष्ट्रीय धरोहर है। राष्ट्रीय संपत्ति की रक्षा करना हम सभी का दायित्व है। वर्षों से सक्रिय संगठित नेटवर्क का पर्दाफाश कर दोषियों को कानून के दायरे में लाना हमारी प्राथमिकता है। इसे लेकर सीएम विष्णु देव साय को दस्तावेज सौंपा गया और केंद्रीय एजेंसियों से जांच कराने पर सहमति बनी है।

-रिकेश सेन, विधायक

13 आरोपियों के खातों को किया गया है फ्रीज

स्क्रैप चोरी मामले में पुलिस ने अब तक 13 को गिरफ्तार कर चुकी है। इनके खातों को फ्रीज किया गया है। इसमें शामिल अन्य लोगों की जांच जारी है।अंतिम व्यक्ति, साजिशकर्ता की खोजबीन किया जा रहा है। चोरी से बीएसपी को कितने का लॉस हुआ इसे लेकर भी जानकारी जुटाई जा रही है। चोरी में शामिल कोई भी हो नहीं बख्शा जाएगा। आरोपियों से लगातार पूछताछ की जा रही है। जल्द ही और भी खुलासे होंगे।

-विजय अग्रवाल, एसएसपी दुर्ग

- शव की शिनाख्त टैटू से हो पाई
- खाना खाने मृतक गया था लालू के घर, नंदिनी पुलिस कर रही पूरे मामले की जांच

गाली गलौज से आक्रोशित होकर युवक की हत्या सिर पर किया सब्बल से वार, दो गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

सिर पर सब्बल से हमला कर हत्या करने वाले दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। नंदिनी पुलिस ने बताया कि ग्राम पथरिया निवासी चेतन ठाकुर 19 वर्ष के साथ रोमनाथ उर्फ लालू यादव, राहुल कुर्रे बैठकर शराब पीए थे। आरोपी लालू के घर चेतन खाना खाने गया था। इस दौरान चेतन ने लालू को गाली गलौज करने लगा। इससे नाराज लालू ने चेतन के सिर पर सब्बल से ताबड़तोड़ वार कर मौत के घाट उतार दिया। घटना के समय उसका दोस्त ग्राम डूमर निवासी राहुल कुर्रे भी मौजूद थे। पुलिस को शव सिंटेक्स टंकी के पास वाले चबुतरे पर पड़ा मिला। पुलिस को शुक्रवार की सुबह ग्राम डूमर के कोटवार ने लाश पड़े होने सूचना दी। मौके पर फॉरेंसिक व पुलिस टीम भी पहुंची थी। चेतन के सिर पर गंभीर चोट के निशान पाए गए। मृतक का शिनाख्त चेतन के शरीर पर बने गोदना (टैटू) से हो पाया। जांच में पुलिस को पता चला कि मृतक चेतन ठाकुर को लालू ने खाना पर बुलाया था। विवाद के नाराज होकर लालू यादव ने चेतन से बदला लेने की ठान ली। गुरुवार की रात जब चेतन गांव के चबूतरे पर सो रहा था। तभी लालू सब्बल लेकर चेतन के पास पहुंचा। मौका पाते ही लालू ने चेतन के सिर पर अंधाधुन वार कर मौत के घाट उतार दिया। एसडीओपी अनूप लकड़ा ने बताया कि शुक्रवार सुबह अज्ञात शव मिलने की सूचना मिली थी। जांच के दौरान पुलिस ने संदेह के आधार पर लालू यादव, राहुल कुर्रे को हिरासत में लेकर पूछताछ करने के बाद खुलासा हो पाया।

दस फीट गहरे तालाब से निकाला गया हथियार

नंदिनी पुलिस ने बताया कि चेतन की हत्या कर लालू ने सबूत छिपाने के लिए सब्बल, अपनी टी-शर्ट, जींस को गांव के पुराने गौठान के पास स्थित तालाब में फेंक कर फरार हगो गया था। लालू को पकड़कर पूछताछ करने पर स्वीकार किया कि चेतन की हत्या उसने किया है। आरोपी लालू के निशानदेही पर तालाब से सब्बल और वारदात के समय पहने गए कपड़े भी पुलिस ने बरामद किया। आरोपियों को न्यायालय में पेश कर उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। सबूत को खोजने के लिए एसडीआरएफ की टीम को बुलाया गया। टीम ने 10 फीट गहरे पानी के भीतर घुसकर हत्या में इस्तेमाल किए गए सब्बल, टी-शर्ट और जींस जब्त किया।

सड़क हादसे में बिजली कर्मी मौत, छाया मातम

भिलाई। तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की ठोकर से बिजली कर्मी की मौके पर ही मौत हो गई। मिली जानकारी के मुताबिक आजाद चौक भिलाई तीन निवासी अरविंद यादव पिता स्व.दुलार सिंह यादव रायपुर स्थित बिजली कंपनी में कार्यरत था। गुरुवार को टाटीबंध के पास अज्ञात वाहन ने अरविंद को चपेट में ले लिया। जिससे उसकी मौत हो गई। मृतक काम से घर लौट रहा था। अरविंद विवाहित था। उसके दो बच्चे है। कुछ माह पहले ही अरविंद नया मकान बनाकर नूतन चौक के पास शिफ्ट हुआ था। शाम को घर लौटते समय बाइक से भिलाई-3 लौट रहा था। तभी हादसे का शिकार हुआ। घटना के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है। मामले में पुलिस की विवेचना जारी है।

महापौर ने कलेक्टर से की शिकायत, एमआईसी सदस्य भी पहुंचे साथ में

भिलाई निगम में करोड़ों का जल प्रोजेक्ट घोटाला

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

भिलाई नगर निगम में करोड़ों रुपये के जल प्रदाय कार्यों को लेकर महापौर नीरज पाल ने दुर्ग कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर जल वितरण नेटवर्क और पानी टंकी निर्माण कार्यों में गंभीर वित्तीय और प्रशासनिक अनियमितताओं की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है।

महापौर नीरल पाल ने अपने पत्र में आरोप लगाया है कि 5 करोड़ 38 लाख 20 हजार 300 रुपए की लागत से स्वीकृत जल वितरण नेटवर्क परियोजना की मूल फाइल पिछले दो महीनों से उपलब्ध नहीं कराई जा रही है। उनका दावा है कि संबंधित अधिकारियों ने जानबूझकर फाइल को दबाकर रखा है, जबकि इस कार्य के लिए अब तक लगभग 3 करोड़ 88 लाख रुपए का भुगतान ठेकेदार को किया जा चुका है। पत्र में यह भी कहा गया है कि जब भुगतान संबंधी जानकारी मांगी गई, तब भी स्पष्ट जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई। महापौर ने ज्ञापन सौंपने के दौरान महापौर नीरज पाल के साथ सभापति गिरवर बंटी साहू, महापौर परिषद के सदस्य सीजू एंथोनी, लक्ष्मीपति राजू, संदीप निरंकारी, एकांश बंछोर, चंद्रशेखर गवई, आदित्य सिंह, रीता सिंह गेरा, नेहा साहू, जोन अध्यक्ष भूपेंद्र यादव, रामानन्द मौर्य, पार्षद अभीषेक मिश्रा, अभय सोनी, के जगदीश, उमेश साहू, सुरेश वर्मा, नोमिन साहू, शारदा राय, ऊषा शर्मा आदि कांग्रेसी पार्षद उपस्थित थे।

बिना पेनल्टी करोड़ों का भुगतान करने का आरोप

देरी के बावजूद ठेकेदार को भुगतान इसके अलावा नगर निगम क्षेत्र में निर्माणाधीन चार पानी टंकियों के निर्माण कार्य को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए गए हैं। महापौर के अनुसार, कार्यादेश में निर्धारित समय सीमा का पालन नहीं किया गया, फिर भी ठेकेदार पर कोई पेनल्टी नहीं लगाई गई। आरोप है कि अधिकारियों ने नियमों की अनदेखी करते हुए ठेकेदार को भुगतान कर दिया, जिससे सरकारी धन के दुरुपयोग और अनुचित लाभ पहुंचाने की आशंका पैदा होती है। महापौर नीरज पाल ने कलेक्टर से पूरे मामले की निष्पक्ष और उच्च स्तरीय जांच कर दोषी अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है।

निर्माणाधीन 4 पानी टंकियों के निर्माण पर भी उठाए सवाल

महापौर नीरज पाल ने अपने शिकायत पत्र में नगर निगम क्षेत्र में निर्माणाधीन चार ओवरहेड पानी टंकियों के निर्माण कार्य में भी गंभीर अनियमितताओं का आरोप लगाया है। यह परियोजना 1500 केएल से 3000 केएल क्षमता वाली चार पानी टंकियों के डिजाइन, निर्माण, वॉटर टाइटनेस टेस्टिंग और कमीशनिंग से संबंधित है। परियोजना में 12 माह का ट्रायल रन, कंपाउंड वॉल, स्टील गेट और गार्ड रूम सहित अन्य सहायक सिविल कार्य भी शामिल हैं।

अग्रसेन
प्रा. आई.टी.आई
BHILAI | DHANORA
• ELECTRICIAN 2 Year (10th Pass)
• FITTER 2 Year (10th Pass)
• C.O.P.A. (Computer) 1 Year (10th Pass)
Affiliated By : N.C.V.T & D.G.E.T. New Delhi (Govt. of India)
भारतीय सेना में कार्यरत/ भूतपूर्व सैनिकों के परिवार एवं दिव्यांग छात्र-छात्राओं के लिए संपूर्ण फीस में 25 % की छूट
REGISTRATION OPEN
कुरुद रोड कोहका, भिलाई, जिला - दुर्ग (छ.ग.)
89595-93949 • 89595-44444
अग्रसेन एजुकेशन कैम्पस, ग्राम-धनोरा, जिला - दुर्ग (छ.ग.)
89595-93934 • 89595-44444

खबर संक्षेप

ग्रामीण क्षेत्रों के नेटवर्क में सुधार का किया अनुरोध

दुर्ग। नई दिल्ली केंद्रीय दूरसंचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास प्राधिकरण के प्रभारी ज्योतिरादित्य सिंधिया से स्थानीय नेता मनीष भंडारी ने मुलाकात की। उन्होंने इस दौरान सिंधिया को दुर्ग आने आमंत्रित किया। साथ ही छत्तीसगढ़ में फोर-जी और फाइव-जी नेटवर्क का दुरस्त गांवों तक विस्तार करने और डाक विभाग की सेवाओं को बढ़ावा देने का अनुरोध भी किया। केंद्रीय मंत्री ने इस विषय को गंभीरता से सुनते हुए सार्थक प्रयास किए जाने का आश्वासन दिया।

टैक्स जमा करने वाले करदाताओं का पौधा भेंट कर किया सम्मान

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग ने करदाताओं के सम्मान और पर्यावरण संरक्षण को एक साथ जोड़ते हुए एक अभिनव पहल की। निगम प्रशासन के टैक्स काउंटरों में संपत्तिकर एवं अन्य कर जमा करने पहुंचे जागरूक करदाताओं का पौधा भेंट कर स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। निगम की इस अनूठी पहल को करदाताओं ने सराहा और इसे पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सकारात्मक प्रयास बताया। निगम परिसर स्थित टैक्स काउंटर में बड़ी संख्या में करदाता अपना टैक्स जमा करने पहुंचे। इस दौरान निगम अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रत्येक करदाता को पौधा भेंट कर उनके समय पर कर भुगतान करने के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी की सराहना की। निगम का उद्देश्य केवल राजस्व संग्रह करना ही नहीं, बल्कि नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण के लिए भी प्रेरित करना है, ताकि करदाता अपने घर, मोहल्ले और आसपास के क्षेत्रों में पौधरोपण कर शहर को अधिक हरा-भरा और स्वच्छ बना सकें।

दो महीने बंद रहेगा रायपुर नाका अंडर पास, वाईशेप ब्रिज से होगी आवाजाही

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

रायपुर नाका अंडर ब्रिज आगामी 1 जुलाई से 31 अगस्त तक मेंटेनेंस के लिए बंद रहेगा। बता दें कि निर्माण के बाद से से मेंटेनेंस के नाम पर खानापूर्ति हुई है। अंडर ब्रिज की सड़क काफी जर्जर हो चुकी है। इसके अलावा रात के समय पर्याप्त बिजली व्यवस्था भी नहीं होती। इसके कारण लोगों को आवाजाही में खासी परेशानी हो रही थी, जिसके देखते हुए रेलवे ने यह निर्णय लिया है। वर्ष 2022-23 में करीब 7.2 करोड़ की लागत से बने रायपुर नाका अंडरब्रिज और करीब 14 करोड़ की लागत से बने भिलाई-3 सिरसा गेट अंडर ब्रिज में लगातार पानी रिस रहा है।

लोगों के आने जाने के लिए इसके सरफेश एरिया में लगाया गया कांक्रीट और इसके ऊपर बिछाई गई कोलतार की परत बुरी तरह उखड़ गई है। भरी बरसात मे दोनों अंडरब्रिजों को मरम्मत के लिए 1 जुलाई से 31 अगस्त तक यानी 62 दिन तक बंद रखने का फैसला किया गया है। 26 जून को रायपुर नाका को मेंटेनेंस के लिए बंद रखने का आदेश जारी किया गया है। इससे ठीक दो दिन पहले यानी 24 जून को सिरसागेट रेलवे अंडरब्रिज को बंद रखने का आदेश जारी किया गया था। इस तरह इन दोनों अंडब्रिजों में लोगों के आने जाने का सिलसिला 1 सितंबर से ही शुरू होने की संभावना है। अफसरों का अनुमान है कि दोनों अंडरब्रिजों के मेंटेनेंस में करोड़ों रुपए खर्च होंगे। इस बार सरफेश और ड्रेनेज को पूरी तरह ठीक किया जाएगा, ताकि जल्दी-जल्दी मेंटेनेंस न करना पड़े।

रेलवे ने मेंटनेंस के लिए लिया 31 अगस्त तक शटडाउन

ब्रिज से हर दिन हजारों वाहनों की आवाजाही

बता दें कि दोनों अंडरब्रिज से हर दिन हजारों वाहनों की आवाजाही होती है। रायपुर नाका कैलाश नगर, पुराना रायपुर नाका क्षेत्र, शक्ति नगर, जवाहर नगर, सिंधिया नगर, तितुरडीह, कातुलबोड़, हनुमान नगर, आशा नगर, तितुरडीह समेत अन्य क्षेत्र आते हैं। वहीं सिरसागेट अंडरब्रिज के आसपास उमदा, जरवाय, भिलाई-3, चरोदा, सोमनी, गनियारी, मोरिद, पचपेड़ी, सिरसाकला समेत करीब 80 गांव आते हैं। यह अंडरब्रिज पाटन और अमलेश्वर जाने का मुख्यमार्ग है। साथ ही नेशनल हाइवे में काम हो तो इसका वैकल्पिक मार्ग के रूप में रायपुर जाने के लिए उपयोग किया जाता है। रेलवे पीपी यार्ड, लोको शेड, बीएसपी, एनएसपीसीएल तथा अन्य औद्योगिक इकाइयों के कर्मचारियों, विद्यार्थियों और आम नागरिक गुजरते हैं। सिरसागेट के बंद होने से लोगों को जी-केबिन चरोदा होकर

दो साल में दूसरी और तीसरी बार मरम्मत

सिरसागेट अंडरब्रिज का इससे पहले फरवरी 2024 में, फिर फिर दिसंबर 2024 में मरम्मत किया गया। इसके बाद सितंबर 2025 में करीब एक सप्ताह के लिए बंद रखकर इसका मेंटेनेंस किया गया। अब आठ माह बाद फिर इसकी स्थित काफी खराब हो गई है, कि फिर दो महीने बंद रखकर मरम्मत करना पड़ रहा है। इससे निर्माण गुणवत्ता और जल निकासी व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। इसी तरह रायपुर नाका का इससे पहले एक बार मेंटेनेंस किया जा चुका है। अब दूसरी बार इसकी मरम्मत के लिए बंद रखा जाएगा।

दुर्ग जिले के ग्रामीण इलाकों को बनाया जा रहा अवैध व्यापार का नया ठिकाना

गांवों में फैल रहा अवैध गुटखा और नकली पनीर का कारोबार, कार्रवाई का असर नहीं

सुवांकर रॉय ⏭भिलाई

जानकारों के मुताबिक शहरों में प्रशासनिक निगरानी और लोगों की सतर्कता बढ़ने के बाद अवैध कारोबारियों ने ग्रामीण क्षेत्रों को अपना नया ठिकाना बना लिया है। गांवों में बड़े मकान, खाली गोदाम और खेतों के बीच स्थित परिसर ऐसे कारोबार के लिए सुरक्षित माने जा रहे हैं। इसी का फायदा उठाकर अवैध कारोबारी गुपचुप तरीके से अपने नेटवर्क का विस्तार कर रहे हैं। दुर्ग जिले में बीते एक वर्ष के दौरान कई अवैध गुटखा फैक्ट्रियों का खुलासा हुआ है। पुलिस और खाद्य एवं औषधि प्रशासन की संयुक्त कार्रवाई में बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित सामग्री, मशीनें और तैयार उत्पाद जब्त किए गए। जांच में यह भी सामने आया कि इन कारखानों के संचालन के लिए दूसरे राज्यों से श्रमिकों और तकनीकी कर्मचारियों को बुलाया जाता है, ताकि स्थानीय स्तर पर किसी को गतिविधियों की जानकारी न मिल सके।

इसी तरह नकली और घटिया गुणवत्ता वाले पनीर निर्माण का कारोबार भी चिंता का विषय बना हुआ है। कई मामलों में स्वास्थ्य मानकों की अनदेखी कर पनीर तैयार किए जाने की शिकायतें सामने आई हैं। ऐसे उत्पाद होटल, ढाबों और बाजारों तक पहुंचकर लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में निगरानी तंत्र अपेक्षाकृत कमजोर होने और स्थानीय लोगों के रोजगार की जरूरतों का फायदा उठाकर अवैध कारोबारी अपना नेटवर्क खड़ा कर रहे हैं। यही कारण है कि एक फैक्ट्री पर कार्रवाई होने के कुछ समय बाद दूसरी जगह नया कारखाना शुरू हो जाता है। हालांकि पुलिस और खाद्य एवं औषधि प्रशासन लगातार कार्रवाई कर रहे हैं, लेकिन बार-बार सामने आ रहे मामलों ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। आखिर इन अवैध कारोबारों को संरक्षण कौन दे रहा है और कार्रवाई के बाद भी इनके नेटवर्क कैसे सक्रिय हो जाते हैं।

दूसरे राज्यों से मजदूर बुलाकर चला रहे अवैध कारखाने

दुर्ग जिले में अवैध कारोबारियों की नजर अब शहरों से निकलकर ग्रामीण क्षेत्रों पर टिक गई है। पिछले कुछ वर्षों में गांवों और कस्बों में अवैध गुटखा निर्माण इकाइयों, नकली पनीर फैक्ट्रियों और अन्य गैरकानूनी कारोबारों के मामले तेजी से सामने आए हैं। स्थिति यह है कि लगातार कार्रवाई और गिरफ्तारी के बावजूद ऐसे कारोबारियों में कानून का कोई भय दिखाई नहीं दे रहा है।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई लगातार जारी

केस 1 कुथरेल और अंडा में 12 पकड़ाए

11 जून 2026 को बड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस और खाद्य विभाग की संयुक्त टीम ने दो अवैध गुटखा निर्माण इकाइयों का भंडाफोड़ किया। ग्राम कुथरेल और अंडा क्षेत्र में संचालित इन अवैध इकाइयों पर छापेमार कार्रवाई कर 12 लोगों को गिरफ्तार किया गया। जांच में सामने आया कि जिस जमीन और गोदाम में यह अवैध कारोबार संचालित हो रहा था, वह असलम खान का है। गोदाम को एग्रीमेंट के माध्यम से वीरेंद्र तिवारी को दिया गया था। आरोप है कि इसी परिसर में बड़े पैमाने पर सितार नाम से जर्दायुक्त गुटखा तैयार कर बाजार में सप्लाई किया जा रहा था। कार्रवाई के दौरान भारी मात्रा में कच्चा माल, रासायनिक पदार्थ, गुटखा बनाने की मशीनें, पैकेजिंग सामग्री, तैयार गुटखा और अर्द्धनिर्मित उत्पाद बरामद किए गए।

केस 2 कोनारी में डेढ़ करोड़ का भंडाफोड़

7 जून 2025 को ग्राम कोनारी स्थित एक फैक्ट्री में छापा मारकर डेढ़ करोड़ रुपये से अधिक का माल जब्त किया था। ग्राम कोनारी में संचालित कोमल फूड प्रोडक्ट नामक फैक्ट्री में बिना वैध लाइसेंस के गुटखा निर्माण का काम किया जा रहा था। शिकायत और जांच के बाद खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने फैक्ट्री परिसर में छापेमार कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान टीम को बड़ी मात्रा में गुटखा निर्माण में उपयोग की जाने वाली कच्ची सुपारी मिली। जांच में 1050 बोरी खड़ी सुपारी, जिसका कुल वजन 52 हजार 500 किलोग्राम था, जब्त की गई। इसकी अनुमानित कीमत 1 करोड़ 20 लाख 75 हजार रुपये आंकी गई। इसके अलावा 247 बोरी कटी हुई कच्ची सुपारी, जिसका कुल वजन 12 हजार 350 किलोग्राम था, भी बरामद की गई। इसकी कीमत लगभग 33 लाख 34 हजार 500 रुपये बताई गई। इस तरह कार्रवाई के दौरान कुल 1 करोड़ 54 लाख 9 हजार 500 रुपये मूल्य की सामग्री जब्त की गई।

केस 3 कचांदुर में भी पड़ चुका छापा, आरोपी फरार

23 जून 2026 को जेवरा सिरसा चौकी क्षेत्र के कचांदुर में अवैध रूप से संचालित गुटखा फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया गया है। टीम ने मौके से बड़ी मात्रा में तैयार गुटखा, कच्चा माल और उत्पादन में उपयोग की जा रही तीन मशीनें जब्त कर गोदाम को सील कर दिया है। गोदाम मालिक मो. मुस्तफा ने उत्तर प्रदेश निवासी शानु खान पिता शफीक खान को गोदाम किराए पर दिया था। जांच के दौरान गोदाम के भीतर अवैध गुटखा निर्माण का पूरा सेटअप मिला। टीम ने 1600 किलो तैयार गुटखा, 1600 किलो मिक्स सुपारी, एक कत्था पीसने की मशीन, एक इलायची पीसने की मशीन तथा एक गुटखा मिक्सिंग मशीन जब्त की। कार्रवाई के बाद पूरे गोदाम को सील कर दिया गया। फरार शानु खान की तलाश जारी है।

धान के कटोरे में खाद का अकाल, किसान परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

आम आदमी पार्टी ने कृषि विभाग की उड़नदस्ता टीम द्वारा जिले के उर्वरक एवं बीज विक्रय केंद्रों में की गई जांच में सामने आई गंभीर अनियमितताओं को भाजपा सरकार की

- आप ने शासन-प्रशासन पर लगाया गंभीर आरोप

किसान विरोधी नीतियों और प्रशासनिक लापरवाही का परिणाम बताया है। आप के प्रदेश महासचिव वदूद आलम ने कहा कि खरीफ सीजन किसानों के लिए सबसे महत्वपूर्ण समय होता है, लेकिन ऐसे समय में भी किसानों को अमानक खाद, अधिक कीमत पर उर्वरक और बिना अनुमति के कृषि उत्पाद बेचे जा रहे हैं, जिसका सीधा असर उनकी फसल, आय और भविष्य पर पड़ रहा है। जिले के 135 उर्वरक एवं बीज विक्रय केंद्रों के निरीक्षण में सामने आया कि 5 केंद्रों के उर्वरक नमूने अमानक पाए गए, 7 विक्रेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए, सेलूद, रानीतराई और धमधा से बिना लाइसेंस बायो-स्टिम्यूलेंट जब्त किए गए, बोरी एवं पाटन में निर्धारित अधिकतम खुदरा मूल्य से अधिक कीमत पर बिक्री पकड़ी गई। जिले में उर्वरक की भारी कमी बनी हुई है। जिला कार्यकारी अध्यक्ष जसप्रीत सिंह ने कहा कि कृषि विभाग ने स्वयं स्वीकार किया है कि जिले में उर्वरक की कमी बनी हुई है। हम सरकार से पूछना चाहते हैं कि यदि डीएपी की कमी पहले से पता थी, तो केंद्र से अतिरिक्त आवंटन सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार ने समय रहते क्या प्रयास हुआ। बोरी, पाटन और अन्य क्षेत्रों में निर्धारित खुदरा मूल्य से अधिक कीमत पर खाद की कालाबाजारी पकड़ी जाना साबित करता है कि खाद संकट के इस दौर में किसानों को दोनों हाथों से लूटा जा रहा है। आप नेता देविंदर सिंह भाटिया ने आम आदमी पार्टी पंजाब सरकार से सीखने की सलाह देते हुए कहा कि क्या इसी नारकीय जीवन को जीने के लिए छग के किसान ने भाजपा को चुनकर सत्ता सौंपी थी। आज छत्तीसगढ़ का किसान खाद और बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहा है। किसान प्रकोष्ठ के रूपेंद्र चंद्राकर ने कहा कि अमानक खाद और नकली उर्वरकों की सप्लाई से छत्तीसगढ़ का किसान पूरी तरह बर्बाद हो रहा है। अमानक उर्वरकों के कारण केवल एक सीजन की फसल प्रभावित नहीं होती, बल्कि खेत की मिट्टी की उर्वरता हमेशा के लिए घट जाती है, जिससे आने वाले कई वर्षों का उत्पादन प्रभावित होता है। हमारी मांग है कि जिन प्रभावित किसानों को नुकसान हुआ है, उन्हें सरकार तत्काल उचित मुआवजा राशि प्रदान करे।

मंत्री गजेन्द्र यादव ने सुनी समस्याएं लोगों को निराकरण का दिलाया भरोसा

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

दुर्ग के गंजपारा स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में कैबिनेट मंत्री एवं दुर्ग शहर विधायक गजेन्द्र यादव ने शुक्रवार को गंजपारा स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में जनदर्शन में नागरिकों एवं कार्यकर्ताओं से सौजन्य भेंट कर उनकी समस्याओं, मांगों एवं सुझावों को गंभीरतापूर्वक सुने। जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के लिए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए। केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि शासन की प्राथमिकता आम नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना है।

इसी उद्देश्य से नियमित जनदर्शन के माध्यम से लोगों से सीधे संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं का निराकरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों के साथ-साथ नागरिकों की समस्याओं का संवेदनशीलता के साथ समाधान करना भी जनप्रतिनिधि की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इसी भावना के अनुरूप वे नियमित रूप से जनदर्शन आयोजित कर

लोगों से सीधे संवाद करते हैं और उनकी समस्याओं के निराकरण के लिए आवश्यक पहल करते हैं। मठपारा निवासी कक्षा चौथी की छात्रा प्रतिज्ञा सारथी से भी उनकी मुलाकात हुई। छात्रा की शिक्षा के प्रति लगन और उत्साह से प्रभावित होकर मंत्री श्री यादव ने उसकी आगे की पढ़ाई के लिए सहयोग प्रदान किये तथा उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि प्रतिभाशाली और मेहनती बच्चों की शिक्षा में किसी भी प्रकार की बाधा नहीं आने दी जाएगी तथा ऐसे विद्यार्थियों को हरसंभव प्रोत्साहन और सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा।

अवैध शराब के साथ गिरफ्तार

भिलाई। अवैध शराब के कारोबार के मामले में जामुल व उतई पुलिस ने ऑपरेशन विश्वास के तहत कार्रवाई कर पांच युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि दोनों थाना क्षेत्रों में 4 अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर ग्राम सेलूद उतई निवासी राम स्वरूप ठाकुर, गजेन्द्र यदु, ग्राम गाड़ाडीह विजय यादव, ग्राम चुनकट्टा देवदास कोसले, ग्राम सुरडूंग जशकुमार जोशी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के पास से पुलिस ने कुल 129 पौवा शराब, बाइक, नगदी रकम और सामानों की कीमत 57 हजार 700 रुपए की आंकी गई है।

आपातकाल को किया याद, निकाला मौन जुलूस

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

भारतीय जनता पार्टी जिला दुर्ग द्वारा 25 जून 1975 को तत्कालीन प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी द्वारा लगाए गए आपातकाल की 51वीं बरसी को जिला भाजपा कार्यालय में संविधान हत्या दिवस के रूप में

- मीसाबंदियों का किया गया सम्मान

मनाया गया। जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में आपातकाल के दौरान लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले मीसाबंदियों का सम्मान किया गया तथा आपातकाल के विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम के पश्चात भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने लोकतंत्र की रक्षा का संदेश देते हुए मौन रैली निकाली।

कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य और मुख्य वक्ता शिरीष अग्रवाल, मंत्री गजेंद्र यादव, जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, विधायक ललित चंद्राकर, महापौर अलका बाघमार, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य माया बेलचंदन, जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष प्रीतपाल बेलचंदन, मीसाबंदी राम पाटणकर सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता उपस्थित थे। मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा कि आज भी जब आपातकाल की चर्चा होती है तो मन में सिहरन दौड़ जाती है। उस दौर में लोकतंत्र का गला घोंटा गया, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता छीन ली गई और हजारों निर्दोष लोगों को जेलों में डालकर अमानवीय यातनाएं दी गईं। लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले सभी लोकतंत्र सेनानियों का देश सदैव ऋणी रहेगा। प्रतिपक्ष के दिग्गज नेताओं सहित लाखों निर्दोष नागरिकों को महीनों तक जेल की काल कोठरियों में बंद रखकर अमानवीय यातनाएं दी गईं। परिवारों को तबाह कर दिया गया, लेकिन मां भारती के सच्चे सपूतों ने घुटने नहीं टेके। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य शिरीष अग्रवाल ने कहा कि आपातकाल हमारे देश के इतिहास का सबसे शर्मनाक अध्याय है। संविधान और लोकतांत्रिक संस्थाओं का खुलेआम दुरुपयोग किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 25 जून को संविधान हत्या दिवस घोषित किया जाना उन सभी लोकतंत्र सेनानियों के संघर्ष और बलिदान को सच्ची श्रद्धांजलि है। जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी प्रत्येक वर्ष संविधान हत्या दिवस मनाकर लोकतंत्र सेनानियों के संघर्ष को स्मरण करती है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि देश में फिर कभी ऐसा काला अध्याय दोहराया न जाए। मीसाबंदी राम पाटणकर ने आपातकाल के दौरान लोकतंत्र की रक्षा के लिए हजारों लोगों ने जेल की यातनाएं सही, लेकिन अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। नई पीढ़ी को उस दौर की सच्चाई जाननी चाहिए ताकि लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के प्रति उनकी

केंद्रीय जेल में नशामुक्ति को लेकर जागरूकता कार्यक्रम

जेल के कैदियों को दिया नशे से दूर रहने का संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

केंद्रीय जेल में बंदियों के पुनर्वास एवं समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बंदियों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराना तथा उन्हें स्वस्थ, अनुशासित एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था।

- न्यायाधीशों ने दिए जरूरी टिप्स

कार्यक्रम में हिमांशु जैन, प्रथम अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय जिला दुर्ग द्वारा नशे के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं पारिवारिक दुष्प्रभावों पर विस्तार से जानकारी दी गई।

लिया जिम्मेदार नागरिक बनकर जीने का लिया संकल्प

साथ ही नशे से मुक्ति के प्रभावी उपाय, परामर्श काउंसलिंग तथा आत्मविश्वास एवं इच्छाशक्ति के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर बंदियों ने नशामुक्त जीवन अपनाने एवं समाज में लौटकर जिम्मेदार नागरिक के रूप में जीवन व्यतीत करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें बंदियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया।

अपराध से दूरी बनाने की दी गई नसीहत

कौशल विकास पर भी दी गई जानकारी

जेल प्रशासन द्वारा बताया गया कि बंदियों के सर्वांगीण विकास एवं सफल पुनर्वास के लिए समय-समय पर ऐसे जागरूकता कार्यक्रम, योग, ध्यान, कौशल विकास एवं परामर्श गतिविधियों का आयोजन निरंतर किया जाता है। इस प्रयासों का उद्देश्य बंदियों में सकरात्मक सोच विकसित करना तथा उन्हें अपराध एवं नशे से दूर रखते हुए समाज की मुख्यधारा में पुनर्स्थापित करना है। नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम के आयोजन में जेल अधीक्षक मनीष सम्भाकर एवं अन्य जेल स्टॉफ उपस्थित रहें।

भाजपा मंडल का सम्मेलन : महिला सशक्तीकरण से ही बनेगा सशक्त भारत

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

भारतीय जनता पार्टी अंजोरा मंडल द्वारा नवनियुक्त महिला मोर्चा कार्यकारिणी का परिचयात्मक सम्मेलन और सम्मान समारोह ग्राम नगपुरा स्थित रेस्ट हाउस में किया गया। कार्यक्रम में विधायक ललित चंद्राकर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी।

महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष तृप्ति चंद्राकर ने अंजोरा मंडल की नवनियुक्त टीम का परिचय कराया। विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल है और इसकी रीढ़ हमारी मातृशक्ति है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नारी शक्ति वंदन

अधिनियम लाकर महिलाओं को लोकसभा और विधानसभा में 33% आरक्षण देने का ऐतिहासिक कार्य किया है। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, उज्ज्वला योजना, मुद्रा योजना से लेकर लखपति दीदी तक, हर योजना महिला सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थर है। महतारी वंदन योजना के तहत प्रदेश की 70 लाख से अधिक महिलाओं को हर महीने 1000 रुपए की सम्मान राशि मिल रही है। महिला मोर्चा की जिम्मेदारी है कि एक भी पात्र बहन योजना से वंचित न रहे। अंजोरा मंडल अध्यक्ष हेमंत सिन्हा ने कहा कि महिला मोर्चा के गठन से मंडल संगठन को नई ऊर्जा मिली है और आगामी सभी कार्यक्रमों में महिला मोर्चा की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। कार्यक्रम में महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष तृप्ति चंद्राकर, जिला महामंत्री ममता राव, गिरेश साहू, हेमंत सिन्हा, यामिनी हरमुख, कुलेश्वरी देवांगन, प्रिया साहू, रामकली साहू आदि मौजूद थीं।

खबर संक्षेप

अग्निवीर एयर फोर्स में हर्षिका रही छत्तीसगढ़ में अव्वल

अण्डा। अंडा समीपस्थ ग्राम परसदा (डंग) निवासी हेमंत साहू की पुत्री हर्षिका साहू ने अपनी मेहनत और लगन से बड़ा मुकाम हासिल करते हुए अग्निवीर एयर फोर्स भर्ती परीक्षा में छत्तीसगढ़ में पहली रैंक हासिल की है। यह उपलब्धि न सिर्फ उनके परिवार बल्कि पूरे गांव और जिले के लिए गर्व की बात है। हर्षिका साहू का चयन भारतीय वायु सेना के अग्निवीर एयर फोर्स में हुआ है और वे आगामी 30 जून को प्रशिक्षण के लिए ज्वाइन करेंगी। पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष डीगेंद्र हिरवानी, चंद्रशेखर हरमुख, योगेश चंद्राकर, दिवाकर गायकवाड़, डॉ. पिलेश्वर साहू, नीलम चंद्राकर, खिलेश्वरी साहू, कल्पना साहू ने हर्षिका साहू को बधाई दी।

राष्ट्रीय छात्रवृत्ति परीक्षा में प्रतिभावानों का चयन

अण्डा। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला अंडा के तीन विद्यार्थियों का चयन राष्ट्रीय साधन सह प्राविण्य छात्रवृत्ति सत्र 2025-26 के लिए हुआ है। शाला की प्रधान पाठक विजय लक्ष्मी राव के मार्गदर्शन, शिक्षकों की मेहनत, पालकों के सहयोग और विद्यार्थियों के कठिन परिश्रम से यह सफलता संभव हो पाई। यह प्रयास पिछले 10 वर्षों से लगातार जारी है। इस वर्ष चयनित विद्यार्थियों में तुषार निर्मलकर, लोकाशी साहू और मान्यता शामिल हैं। विद्यार्थियों की इस सफलता पर शाला के शिक्षक सुरेन्द्र कुमार सेन, नीलिमा वर्मा, अनुरमा शुक्ला, भीमेश्वरी चंद्राकर और तामेश्वर राम साहू सहित शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष खोरबाहरा राम निर्मलकर, सदस्य डी.पी. चंद्राकर, प्राचार्य सीमा जाम्बूलकर, संकुल समन्वयक प्रवेश कुमार देवांगन और सरपंच दिग्विजय सिन्हा ने बच्चों और मार्गदर्शक शिक्षकों को शुभकामनाएं दीं।

121 चौका आरती में उमड़ी श्रद्धालुओं की आस्था

सेलूद। कबीर पंथी सत्संग समिति एवं समस्त ग्रामवासी पतोरा के तत्वावधान में संत शिरोमणि कबीर साहेब के प्राकट्य दिवस के उपलक्ष्य में रविवार को साहू सदन, पतोरा में कबीर प्राकटोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ 121 चौका आरती पूजा का आयोजन भी संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान कबीर वाणी, सत्संग, भजन-कीर्तन एवं प्रवचनों के माध्यम से संत कबीर साहेब के जीवन दर्शन तथा उनके सामाजिक संदेशों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपाध्यक्ष कबीर धर्मनगर दामाखेड़ा प्रमोद साहू ने कहा कि आज विश्व में अनेक लोग स्वयं को जगतगुरु कहते हैं, लेकिन जगतगुरु और सद्गुरु के अंतर को समझना आवश्यक है। सांसद प्रतिनिधि राजेश चंद्राकर ने कहा कि कबीर साहेब का संदेश हर युग में प्रासंगिक रहा है। जिला पंचायत सदस्य देवेंद्र चंद्रवंशी ने कहा कि कबीर साहेब ने मानव सेवा को ही माधव सेवा बताया है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से महंत श्यामसुंदर दास, पूर्व मंडी अध्यक्ष अश्वनी साहू, सरपंच भुनेश्वर साहू, परिक्षेत्रीय अध्यक्ष किशन हिरवानी, जनपद सदस्य चंद्रिका कलिहारी, शशिभूषण साहू, अंजिता गोपेश साहू, शुकेश्वर साहू आदि मौजूद थे।

निधन

संतोष दुबे

दुर्ग। सूर्या होटल के पास धमधा नाका निवासी संतोष दुबे का शुक्रवार को आकस्मिक निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार शिवनाथ नदी मुक्तिधाम में 27 जून की सुबह 11 बजे किया जाएगा। अंतिम यात्रा निवास स्थल से सुबह करीब साढ़े 10 बजे निकाली जाएगी। वे मनोज दुबे के पिता थे।

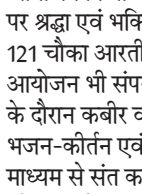

जिपं सीईओ को ज्ञापन सौंपकर निराकरण की उठाई मांग

जिले के पंचायत सचिवों पर कार्रवाई का हो रहा विरोध, मई से जमा राशि देने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सेलूद

निराकरण नहीं होने पर 3 जुलाई को करेंगे धरना प्रदर्शन : महेन्द्र

प्रदेश पंचायत सचिव संघ जिला इकाई दुर्ग के पँचायत सचिव विभिन्न समस्याओं के निराकरण नहीं होने से आक्रोशित है प्रदेश पंचायत सचिव संघ के जिला इकाई दुर्ग ने जिला पंचायत सीईओ को ज्ञापन सौंपकर 7 दिवस के भीतर समस्याओं का निराकरण करने किए जाने मांग की है समस्या का निराकरण नहीं होने पर 3 जुलाई को जिले भर के पंचायत

- 8 जुलाई से अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी भी दी

सचिव एक दिवसीय रैली, धरना व अनिश्चित कालीन हड़ताल पर जाने की चेतावनी दी है।

जिला अध्यक्ष महेन्द्र कुमार साहू कहा है कि समस्याओं का निराकरण 7 दिवस के भीतर नही होने पर 3 जुलाई को दुर्ग जिला के समस्त पंचायत सचिव जिला मुख्यालय में एक दिवसीय रैली धरना प्रदर्शन करेंगे। इसके बाद भी समस्या का समाधान नहीं हुआ तो 8 जुलाई से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर रहेंगे व प्रदर्शन करेंगे

जिला सचिव शेषनारायण चंद्रवंशी ने बताया गया है कि दुर्ग जिला पंचायत सचिव संघ की बैठक 25 जून को हुई इसमें दुर्ग जिला के पंचायत सचिवों की विभिन्न समस्याओं का निराकरण यदि 7 दिवस के भीतर नही किया गया तो एक दिवसीय हड़ताल में जाने का सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया है।

ब्लाक अध्यक्षगण निमेष भोयर,प्रदीप चन्द्राकर, नरेश साहू ने बताया कि एन.पी.एस. की राशि व उपादान राशि, एरियर्स, चिकित्सा भत्ता राशि 7 दिवस के भीतर संबधित सचिवों के खाते में अंतरित किया जावे। दुर्ग जिला के पंचायत सचिवों के एन.पी. एस राशि वेतन से कटौती कर दिनांक 24 मई 2024 से जिला पंचायत के खाते में जमा है। उस राशि को तत्काल एन.पी.एस. खातें में जमा किया जाए एवं उस खाते में उक्त अवधि में ब्याज की राशि की गणना कर उस ब्याज की राशि को समस्त पंचायत सचिवों के खातें में तत्काल जमा किया जाए। उनका वेतन 1 तारिख को समस्त पंचायत सचिवों के खाते में अंतरित किया जावे। इसी प्रकार दुर्ग जिला के पचायत सचिवों के उपर हो रहे कार्रवाई को तत्काल बंद किया जावें व संचयी प्रभाव से रोके जा रहे वेतन वृद्धि की कार्रवाई पूर्णतः समाप्त किया जाए।

राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान कल, तैयारी पूरी

सेलूद। पोलियो मुक्त भारत के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से रविवार, 28 जून को विकासखंड पाटन में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का आयोजन किया जाएगा। अभियान के तहत 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो रोधी वैक्सीन की दो बूंद पिलाई जाएगी। स्वास्थ्य विभाग द्वारा अभियान की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं तथा यह सुनिश्चित करने के लिए व्यापक स्तर पर व्यवस्थाएं की गई हैं कि कोई भी बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित न रहे। खंड चिकित्सा अधिकारी पाटन, डॉ. बी. कठौतिया ने बताया कि विकासखंड में लगभग 21,000 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए 183 पोलियो बूथ स्थापित किए जाएंगे, जहां स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी, मितानिन, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता तथा अन्य विभागीय कर्मचारी अपनी सेवाएं देंगे। इसके अतिरिक्त दूरस्थ क्षेत्रों, ईंट-भट्ठों, निर्माण स्थलों, प्रवासी परिवारों एवं छूटे हुए बच्चों तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए 7 मोबाइल टीमों तथा बस स्टैंड, प्रमुख मार्गों एवं अन्य आवागमन स्थलों पर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने हेतु 6 ट्रांजिट टीमों का गठन किया गया है।

चंदखुरी केनाल पारा में बदहाल सड़क बनी हादसों की वजह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंडा

- पीएचई विभाग की लापरवाही से जनता परेशान

दुर्ग से बालोद को जोड़ने वाले मुख्य मार्ग पर ग्राम चंदखुरी के केनाल पारा में पीएचई विभाग की लापरवाही से सड़क दुर्घटना का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। विभाग द्वारा डामरीकरण सड़क को खोदने के बाद केवल मिट्टी डालकर छोड़ दिया गया है, जिससे बारिश के दिनों में सड़क की हालत बेहद खराब हो गई है।

लगातार हो रही बारिश के कारण सड़क पर कीचड़ और गड्ढे बन गए हैं, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। दिन में किसी तरह लोग संभलकर निकल जाते हैं, लेकिन रात के अंधेरे में यह जगह दिखाई नहीं देने से दुर्घटना की आशंका कई गुना बढ़ जाती है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि इस मार्ग से रोजाना सैकड़ों लोग आवागमन करते हैं। स्कूल जाने वाले बच्चे, मजदूर, किसान और अन्य वाहन चालक इसी रास्ते पर निर्भर हैं, लेकिन सड़क की यह बदहाली उनकी परेशानी का कारण बन चुकी है।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पीएचई विभाग ने कार्य तो शुरू किया, लेकिन उसे अधूरा छोड़ दिया। सड़क की मरम्मत नहीं होने से आम जनता को जोखिम उठाकर गुजरना पड़ रहा है। वहीं प्रशासन भी इस समस्या को लेकर अब तक गंभीर नजर नहीं आ रहा है।

ग्रामीणों और राहगीरों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द सड़क की मरम्मत कराई जाए और इस लापरवाही पर जिम्मेदार विभाग के खिलाफ कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में किसी बड़े हादसे से बचा जा सके।

एनएमएमएसई में परसदा की छात्राओं का चयन, हर्ष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सेलूद

शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय परसदा की छात्राओं ने राष्ट्रीय साधन-सह-योग्यता छात्रवृत्ति (एनएमएमएसई) परीक्षा 2026 में सफलता हासिल कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। शिक्षक मोहित कुमार शर्मा ने बताया कि डामिन यादव (पिता किरन यादव) एवं त्रिवेणी ठाकुर (पिता सियाराम ठाकुर) का चयन इस प्रतिष्ठित छात्रवृत्ति परीक्षा में हुआ है।

छात्राओं की इस शानदार सफलता के पीछे उनके मार्गदर्शक शिक्षक सुशील कुमार साहू एवं स्टाफ की कड़ी मेहनत और अनूठी शिक्षण शैली रही है। श्री साहू ने बच्चों को नवाचारी गतिविधियों के माध्यम से जोड़कर, स्वयं प्रश्न पत्र तैयार कर नियमित टेस्ट लिए। इसके साथ ही, बच्चों की शंकाओं का तुरंत समाधान करने और समय-समय पर डिजिटल सपोर्ट व अतिरिक्त कक्षाएं देकर उन्हें परीक्षा के लिए पूरी तरह तैयार किया।

कक्षा 12वीं तक मिलेगी छात्रवृत्ति

इस योजना के तहत चयनित दोनों छात्राओं को शासकीय विद्यालय में आगे की पढ़ाई जारी रखने पर कक्षा 12वीं तक प्रति माह 1,000 रुपये (वार्षिक 12,000 रुपये) की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी, जिससे उनकी आगे की शिक्षा में बड़ी मदद मिलेगी।

शिक्षकों के सतत मार्गदर्शन से बढ़ा बच्चों का मनोबल

डामिन यादव एवं त्रिवेणी ठाकुर की इस उपलब्धि पर संस्था के प्रधान पाठक सत्येन्द्र यदु, नोडल प्राचार्य रामटेके, संकुल शैक्षिक समन्वयक कुलेश्वर प्रसाद ठाकुर,शिक्षकगण मोहित कुमार शर्मा, नरेश कुमार यादव पूर्णिमा यादव, पवन साहू, जागेश्वरी साहू, देवकी यादव, उपासना साहू, कल्याणी शुक्ला, कौशल शुक्ला ने हर्ष व्यक्त किया है।

मंगल भवन को निःशुल्क अथवा न्यूनतम किराये पर उपलब्ध कराने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| उतई

- पूर्व एल्डरमेन तरुण बंजारे ने निगम प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

नगर पालिक निगम रिसाली के वार्ड क्रमांक 35 एवं 36 डुंडेरा के नागरिकों की सुविधा के लिए निर्मित मंगल भवन को आम लोगों के लिए निःशुल्क अथवा न्यूनतम किराये पर उपलब्ध कराने की मांग उठी है। इस संबंध में नगर निगम रिसाली के पूर्व एल्डरमेन तरुण बंजारे ने नगर निगम के कार्यपालन अभियंता को ज्ञापन सौंपकर जनहित में शीघ्र निर्णय लेने की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि डुंडेरा क्षेत्र के नागरिकों की सामाजिक एवं पारिवारिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए मंगल भवन का निर्माण कराया गया था। पूर्व में यह भवन आम नागरिकों के लिए निःशुल्क उपलब्ध कराया जाता था, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद परिवार भी विवाह, छठी, दशगात्र एवं अन्य सामाजिक कार्यक्रम आसानी से आयोजित कर पाते थे। किंतु पिछले कुछ वर्षों से भवन के ठेका पद्धति से संचालन के कारण इसका किराया बढ़कर लगभग पांच हजार रुपये प्रतिदिन हो गया है, जिससे गरीब एवं मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए इसका उपयोग करना कठिन हो गया है। पूर्व एल्डरमेन तरुण बंजारे ने बताया कि डुंडेरा में यह एकमात्र सार्वजनिक मंगल भवन है, जहां विवाह समारोह, छठी कार्यक्रम, दशगात्र, सामाजिक बैठकें एवं अन्य पारिवारिक आयोजन संपन्न होते हैं। क्षेत्र में बड़ी संख्या में श्रमिक एवं निम्न आय वर्ग के परिवार निवास करते हैं, जिनके घर छोटे अथवा संकरी गलियों में स्थित हैं। ऐसे परिवारों को अपने सामाजिक एवं पारिवारिक कार्यक्रमों के आयोजन में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। मंगल भवन का मूल उद्देश्य आम नागरिकों को सुविधाएं उपलब्ध कराना है, न कि उन पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालना। इसलिए निगम प्रशासन को चाहिए कि वह पूर्व की भांति भवन को निःशुल्क उपलब्ध कराए अथवा स्वयं संचालन करते हुए न्यूनतम किराया निर्धारित करे, ताकि सभी वर्गों के नागरिक इसकी सुविधा का लाभ उठा सकें। निगम प्रशासन से मांग की है कि जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मंगल भवन के किराये की समीक्षा की जाए।

जनगणना में लगे शिक्षा विभाग के कर्मियों का मानदेय व अवकाश मांगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सेलूद

छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक, समग्र शिक्षक फेडरेशन जिला इकाई दुर्ग के प्रतिनिधिमंडल ने जिला जनगणना अधिकारी व अपर कलेक्टर दुर्ग वीरेंद्र सिंह से मुलाकात की। उन्होंने इस दौरान जनगणना 2027 के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं गणना कार्य में संलग्न कर्मचारियों के लंबित मानदेय भुगतान शीघ्र जारी करने व ग्रीष्मकालीन अवकाश में कार्य करने वाले शिक्षकों को अनुपातिक अर्जित अवकाश प्रदान करने की मांग की।

फेडरेशन के जिला अध्यक्ष कृष्ण वर्मा ने बताया कि जिले के अनेक कर्मचारी जनगणना कार्य में प्रगणक एवं पर्यवेक्षक के रूप में निर्धारित अवधि में अपने दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन कर चुके हैं। इसके बावजूद संबंधित कर्मचारियों को अब तक मानदेय का भुगतान नहीं किया गया है, जिससे कर्मचारियों में असंतोष व्याप्त है।

फेडरेशन ने जिला प्रशासन को सौंपे गए ज्ञापन में मांग की है कि जनगणना कार्य से जुड़े सभी प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों के लंबित बिलों का शीघ्र निराकरण कर भुगतान सुनिश्चित किया जाए। फेडरेशन ने कहा है कि जनगणना जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में कर्मचारियों ने पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ योगदान दिया है, इसलिए उनके वैधानिक देयकों का समय पर भुगतान किया जाना आवश्यक है। संगठन को विश्वास है कि जिला प्रशासन कर्मचारियों के हित में सकारात्मक निर्णय लेते हुए शीघ्र आवश्यक कार्रवाई करेगा।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष कृष्ण कुमार वर्मा, जिला पदाधिकारी कमल वैष्णव, ब्लॉक अध्यक्ष पाटन चेतन सिंह परिहार और राहुल झा उपस्थित थे।

बिजनेस साइट

श्री होंडा का उद्घाटन, पाटन में टू-व्हीलर ग्राहकों को मिली नई सौगात

पाटन। क्षेत्र के दोपहिया वाहन ग्राहकों के लिए एक नई सुविधा का शुभारंभ हुआ है। पाटन में श्री होंडा के अत्याधुनिक शोरूम का भव्य उद्घाटन विधिवत रूप से संपन्न हुआ। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथियों में अभिजीत भट्टाचार्य, हर्ष कुमार पाठक, लक्ष्मीकांत मिश्रा एवं मनोज बत्रा शामिल रहे। अतिथियों ने फीता काटकर एवं पूजा-अर्चना के साथ शोरूम का शुभारंभ किया। उद्घाटन समारोह में बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिकों, पुराने एवं नए ग्राहकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। मुख्य अतिथियों ने शोरूम का अवलोकन करते हुए इसकी आधुनिक सुविधाओं एवं ग्राहक-केंद्रित सेवाओं की सराहना की। इस अवसर पर ग्राहकों को होन्डा के नवीनतम मोटरसाइकिल एवं स्कूटर मॉडलों की जानकारी भी दी गई। होंडा का यह आधुनिक शोरूम ग्राहकों को बिक्री, सर्विस एवं स्पेयर पार्ट्स की समस्त सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराएगा। यहां होन्डा के सभी प्रमुख एवं नवीनतम दोपहिया वाहन मॉडल उपलब्ध हैं, जिससे ग्राहकों को बेहतर विकल्प और सुविधाजनक सेवाएं मिल सकेंगी।कंपनी के अधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि होंडा पाटन एवं आसपास के क्षेत्रों के ग्राहकों को विश्वस्तरीय सेवाएं प्रदान करते हुए होन्डा परिवार को और अधिक मजबूत बनाएगा। कार्यक्रम के दौरान ग्राहकों के लिए विशेष ऑफर्स एवं सुविधाओं की जानकारी भी साझा की गई।कार्यक्रम के सफल आयोजन पर होंडा परिवार ने सभी अतिथियों, ग्राहकों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। शोरूम के शुभारंभ से क्षेत्र के दोपहिया वाहन ग्राहकों को बिक्री एवं सेवा संबंधी सुविधाएं अब और अधिक सुगमता से उपलब्ध हो सकेंगी।

ओम ज्वेलर्स मे आकर्षक उपहार एवं डिस्काउंट

दुर्ग। दुर्ग ओम ज्वैलर्स शहर के हृदय स्थल में स्थित इंदिरा मार्केट दुर्ग शॉप नंबर 64 b प्रिया सिंगर सदन के सामने ओम ज्वैलर्स अपने भाव शोरूम के लिए जाना माना है। जहां आपको अनगिनत डिजाइन देखने को मिलता है। श्री सोनी ने बताया सोने की बढ़ती हुई महंगाई को देखते हुए मासिक ई योजना चालू किए हैं जिसमें 1000 से लेकर आपके बजट तक हर महीना का किस्त जमा कर सकते हैं। 12 महीने की रेगुलर किस्त जमा होने पर आपको एक महीने की किस्त ज्वेलर्स के द्वारा दी जाती है। सोनी ने बताया कि पैसा लाने ले जाने का जोखिम को देखते हुए घर पहुंच सेवा उपलब्ध किया गया है जिसमें अपनी पसंद की डिजाइन को खरीद कर पेमेंट आप घर से भी कर सकते हैं। इसके अलावा टोटल ऑनलाइन, चेक, एटीएम, डेबिट कार्ड एक्सेप्ट किया जाता है। सोनी ने बताया कि पुराने गहने को बिल्कुल नया बनाये वो भी बिना वजन घटे। ज्वेलरी की रिपेयरिंग की तत्काल सुविधा उपलब्ध है आगे दिवाली, त्यौहार सीजन को देखते हुए नई-नई डिजाइनों की विस्तार रेंज उपलब्ध है जिसमें ग्राहक अपने मनपसंद डिजाइन बुकिंग कर पसंद की जेवर शुभ मुहूर्त पर ले जाएं। ओम ज्वेलर्स के संचालक ने बताया कि हमारे यहां टोटल 916 (22 कैरेट)833 (20कैरेट)एवं 750(18कैरेट) के टोटल हॉलमार्क गहने उपलब्ध है। जिसमें भारत सरकार के द्वारा 6 अंकों का डिजिट कोड एच यू आईडी अंकित किया मिलेगा पूरे शहर में सबसे कम दाम पर उपलब्ध हैं जिसमें 0% चांदी की मेकिंग चार्ज एवं सोने पर जितना सोना उतना चांदी फ्री एवं न्यूनतम मजदूरी दर के साथ ग्राहकों को उपलब्ध किया जाता है। शादी के गहने की खरीदी पर दूल्हा एवं दुल्हन को स्पेशल टूरिस्ट बैग, इंपॉर्टेंट वॉच, जीतना सोना उतना चांदी फ्री ओम ज्वेलर्स की तरफ से प्रदान किया जाता है। हमारी शॉप में हमेशा ग्राहकों का अच्छी भीड़ रहती है। नए-नए डिजाइनों का हमेशा कलेक्शन उपलब्ध रहती है।

मचान्दुर के बच्चों ने राष्ट्रीय परीक्षा में बनाया कीर्तिमान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| उतई

शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला मचान्दुर के बच्चों ने राष्ट्रीय साधन सह प्रावीण्य छात्रवृत्ति परीक्षा (एनएनएमएसई) परीक्षा में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। इस परीक्षा में चयनित होने पर बच्चों को कक्षा 9 से कक्षा 12 तक प्रत्येक माह 1000 रुपए छात्रवृत्ति के रूप में 4 वर्ष में कुल 48000 रुपए मिलते हैं। इस साल शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला मचान्दुर से चयनित बच्चों में मिर्जा आबिद हुसैन, 120 अंक, पिता - साकिल बेग, माता - जीनत परवीन, सिद्धि साहू, 118 अंक पिता - पुरन साहू, माता - कुलेश्वरी साहू, निधि देवांगन, 118 अंक पिता - ऋषि देवांगन, माता - भारती देवांगन. मीनाक्षी, 116 अंक पिता - रूपेश कुमार, माता – लिलेश्वरी और नंदिनी देवांगन, 115 अंक पिता - विवेकानंद देवांगन, माता - संगीता देवांगन का चयन हुआ है। वहीं शालिनी साहू, पिता विश्वनाथ साहू माता- सुलोचना 108 अंक, गुनगुन, पिता गणेश राम साहू, माता खिलेश्वरी साहू 96 अंक, कुलदीप देवांगन,पिता सीताराम देवांगन, माता मंजू देवांगन 88 अंक, गायत्री पटेल, पिता गोवर्धन लाल पटेल, माता जमुना बाई 85 अंक, रेणुका, पिता सतीश साहू माता ममता साहू 84 अंक, दुर्गेश, पिता हेमंत कुमार, माता डुलेश्वरी 82 अंक, जीविका यादव, पिता ओमप्रकाश यादव, माता हेमिन यादव 78, दिशा ढीमर, पिता मिथलेश, माता यशोदा 73 अंक, भूपेश यादव, पिता रघुवीर यादव, माता किरण यादव 68 अंक और सिमरन खान, ताहिर खान, माता आसमा 63 अंक ने भी परीक्षा में अपनी सहभागिता दिलाते हुए शाला परिवार को गौरवान्वित किया। इस कार्यक्रम में दुलारी ठाकुर, कविता देवांगन, प्रेमलता साहू, अंजू गोस्वामी, सविता डहरिया, नरेश चंद्र मंडावी, मिलिन्द चन्द्रा, प्रवीण यदु, देवेंद्र गिरी गोस्वामी, नीता साहू, भारती देवांगन, सहिस राम देवांगन, लिलेश्वरी साहू, जीनत परवीन और साकिल बेग ने अपनी उपस्थिति दी।

खबर संक्षेप

दो यूट्यूबर के खिलाफ अपराध दर्ज

भिलाई। दो यूट्यूबर के खिलाफ पुलिस ने अपराध दर्ज किया है। भिलाई तीन पुलिस ने बताया कि उमदा निवासी नेहा मिश्रा ने पुष्पराज सिंह, सागर साहू के खिलाफ लिखित में शिकायत किया। सागर व पुष्पराज आधार कार्ड की फोटोकॉपी कराने महिला च्वाइश सेंटर में पहुंचे थे। आरोप है कि दोनों बातचीत को तोड़-मरोड़कर वीडियो तैयार किया और उसे समाचार के रूप में वायरल करने की प्लानिंग की। महिला ने आरोप लगाया है कि 3 जून को वीडियो हटाने के एवज में 50 हजार रुपए का डिमांड किया। बदनामी के डर से नेहा ने उसे 30 हजार रुपए दिए। रकम मिलने के बाद वीडियो हटा दिया गया था। बाद में फिर दो लाख रुपए की मांग की। पैसे न देने पर महिला को बदनाम करने और नए वीडियो जारी करने की धमकी दी गई। दो लाख रुपए न देने पर आरोपियों ने तीन से अधिक अलग-अलग वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ बीएनएस की धारा 308(2) के तहत जुर्म दर्ज किया है। फिलहाल दोनों अन्य मामले में जेल में बंद है।

उत्कृष्ट योगदान के लिए बीआरएम को मिला पुरस्कार

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के बार एवं रॉड मिल (बीआरएम) को वर्ष 2024-25 के दौरान ज्ञानार्जन एवं विकास के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सर्वश्रेष्ठ विभाग पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पुरस्कार रांची स्थित मैनेजमेंट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट में आयोजित ज्ञान उत्सव' समारोह के दौरान प्रदान किया गया। बीएसएल के निदेशक प्रभारी प्रियरंजन ने बार एवं रॉड मिल को इस उपलब्धि के लिए सम्मानित किया। बीआरएम की ओर से महाप्रबंधक शाश्वत मोहंती तथा सहायक महाप्रबंधक सुनील कुमार सोनी ने यह पुरस्कार ग्रहण किया। मुख्य महाप्रबंधक योगेश शास्त्री ने कहा कि यह सम्मान विभाग की प्रतिबद्धता, सामूहिक प्रयासों तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन का प्रतिफल है।

रक्तदान, स्वास्थ्य शिविर और तकरीर 29 को

भिलाई। गैर सरकारी संगठन अल मदद एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी की ओर से करबला के शहीदों की याद में रक्तदान और स्वास्थ्य शिविर का आयोजन 29 जून सोमवार को सेक्टर-6 जामा मस्जिद के कम्युनिटी हॉल में किया जा रहा है। सोसाइटी की प्रमुख अंजुम अली ने बताया कि सुबह 11 बजे से 5 बजे तक रक्तदान, दंत परीक्षण, नेत्र परीक्षण और सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण का आयोजन शिविर में होगा। इसके साथ ही यहां आयुष्मान कार्ड पंजीयन की सुविधा भी दी जा रही है। इसके बाद यहां शाम 5 बजे से आलिमा गुल निशा की तकरीर (बयान) का आयोजन किया गया है, जिसमें करबला के शहीदों के वाकयात बयान किए जाएंगे। मगरिब की नमाज के बाद फातिहा ख्वानी होगी। अंजुम अली ने ज्यादा से ज्यादा लोगों से पहुंच कर निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाने और अन्य आयोजनों में भागीदारी की अपील की है।

अलनीनो के असर पर किसानों के लिए जारी हुई विशेष एडवाइजरी

कृषि विभाग ने खंड वर्षा और लंबे समय तक सूखे की संभावना पर बनाई आकस्मिक कार्ययोजना

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

इस वर्ष अल-नीनो के चलते मानसून में देरी, खंड वर्षा (लंबे समय तक सूखा) और सीजन के जल्दी समाप्त होने की गंभीर आशंका बनी हुई है। इस संभावित संकट से निपटने और किसानों की आजीविका को सुरक्षित रखने के लिए इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर एवं कृषि विभाग द्वारा एक विशेष 'आकस्मिक कार्ययोजना' तैयार की गई है।

इस कार्ययोजना का मुख्य उद्देश्य जोखिम को कम करने के लिए फसल विविधीकरण को बढ़ावा देना, कम पानी वाली फसलों का चयन, जल संरक्षण और आधुनिक तकनीकों के माध्यम से सीमित संसाधनों में भी बेहतर उत्पादन सुनिश्चित करना है।

यह है कार्ययोजना

- किसान मानसून से पहले मेड़ो की सफाई, खेत की जुताई एवं और पानी रोकने के लिए मजबूत मेड़बंदी करें।
- मौसम की अनिश्चितता से बचने के लिए कम और मध्यम अवधि में पकने वाली उन्नत किस्मों को चुनें।
- जोखिम को कम करने के लिए किसी एक फसल (जैसे धान) पर पूरी तरह निर्भर न रहें फसल विविधिकारण अपनाएं।
- ऊंचे खेत (उच्चहन भूमि) में जहां पानी कम ठहरता है, वहां धान लगाने के बजाय कम पानी में होने वाली दलहनी फसल जैसे अरहर, मूंग एवं उड़द तथा तिलहनी फसल जैसे तिल, सोयाबीन, मूंगफली को प्राथमिकता देवें।
- रोपा विधि के बदले सीधी बुवाई अपनाएं इससे 20 प्रतिशत पानी की बचत होगी एवं साथ ही लगभग 5000 रुपये प्रति एकड़ लागत में भी कमी आएगी। फसल 12-15 दिन पहले पकेगी।
- फसलों की बुवाई कतार में करें, जिससे जड़ें गहराई तक जाएं। इससे सूखा पड़ने पर भी फसल सुरक्षित रहती है और खरपतवार व नमी का प्रबंधन आसान होता है।
- मूंग और उड़द की बुवाई जुलाई अंत तक एवं तिल, सूरजमुखी व मध्यम अवधि वाली अरहर की बुवाई अगस्त में की जा सकती है।

बीजोपचार व ड्रिप सिस्टम अपनाने पर जोर

कृषि विभाग के मुताबिक बीज को फफूंदनाशी, जैव उर्वरक एवं नैनो डी.ए.पी से शत प्रतिशत बीजोपचार कर बुवाई करने का सुझाव दिया गया है। ताकि सूखे की स्थिति निर्मित होने पर पौधो का समुचित विकास व सहनशीलता बनी रहे। वर्षा जल संचयन एवं नमी सुरक्षित रखने के लिए मेड़बंधी, निदाई-गुडाई एवं मल्चिंग का उपयोग करें। पानी के कुशल उपयोग के लिए किसानों को ड्रिप (टपक) और स्प्रिंकलर (फुहारा) पद्धतियों को अपनाएं।

सेल के विस्तार के लक्ष्य में होगा बीएसपी का बड़ा योगदान

बीएसपी के विस्तारीकरण योजना में विलंब लागत बढ़ने से कर्मियों को होगा नुकसान

एक्सपांशन प्रोजेक्ट में देरी निजीकरण तो नहीं, यूनियनों ने उठाया सवाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

सेल की ध्वजवाहक इकाई भिलाई इस्पात संयंत्र के विस्तारीकरण और आधुनिकीकरण परियोजना (एक्सपांशन प्रोजेक्ट) में लेटलतीफी का चौतरफा खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। लंबे विलंब से बीएसपी और सेल के साथ वर्कर्स को भी नुकसान हो रहा है। इस दौरान प्रोजेक्ट को लेकर बढ़ रही चुनौतियों से उच्च प्रबंधन की मुश्किलें भी बढ़ती जा रही हैं।

उल्लेखनीय है कि सेल (स्टील आथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड) के विस्तारीकरण के लक्ष्य को पूर्ण करने में पहले की तरह बीएसपी की बड़ी भूमिका रहेगी। वर्ष 2034 तक सेल का उत्पादन 31 मिलिटन टन किए जाने का टार्गेट है। इसके लिए बीएसपी का विस्तारीकरण कर यहां का इस्पात उत्पादन 11 मिलियन टन किया जाना है। लेकिन अब तक बीएसपी के एक्सपांशन प्रोजेक्ट -2 शुरु नहीं हो पाया है, जबकि इसे अब तक पूर्ण हो जाना था। जबकि बोकारो और राउरकेला प्लांट के एक्सपांशन प्रोजेक्ट पूर्ण हो चुके हैं। इस्पात मंत्री रामविलास पासवान के कार्यकाल में शुरु हुआ पिछला एक्सपांशन प्रोजेक्ट भी, जो साढ़े 17 हजार करोड़ रुपए का था,भारी विलंब से वर्ष 2016 में पूर्ण हो सका था। यूनियनों के मुताबिक बीएसपी का प्रोजेक्ट -2 का निर्माण भी अब तक शुरु नहीं होने से बीएसपी से जुड़ा हर वर्ग को प्रत्यक्ष व परोक्ष रुप से प्रभावित हो रहा है। भारी महंगाई के दौर में विलंब से प्रोजेक्ट की लागत निरंतर बढ़ रही। इसके चलते कंपनी के बैंकिंग लोन का ब्याज भी बढ़ेगा।

आर्डर प्रभावित होने से सिमटती जाएंगी सुविधाएं

एक्सपांशन प्रोजेक्ट के लेट होने से घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में इस्पात उत्पाद की मांग पूर्ण करने में भी सेल की दिक्कतें बढ़ेंगी। इसका लाभ जिंदल व एस्सार आदि कंपनियों को मिलेगा। इससे बीएसपी सहित सेल का प्राफिट भी प्रभावित होने से वर्कर्स की सुविधाओं पर असर पड़ेगा। इसका प्रभाव दिखने भी लगा है। उनकी वित्तीय, आवासीय व मेडिकल आदि वेलफेयर सुविधाएं सिमटती जा रही है। मेन पावर पर वर्क लोड भी बढ रहा है। मेन पावर कम होने के साथ साथ प्रोजेक्ट को लेकर बीएसपी व सेल की चुनौतियां आगे बढ़ती जाएंगी।

रिटायर हो रहे अनुभवी टेक्नोक्रेड

बीएसपी के एक्सपांशन प्रोजेक्ट के निर्माण में एमओयू करने वाली एजेंसी का मुख्य भूमिका होगी लेकिन इसमें बीएसपी के अनुभवी इंजीनियरों, टेक्निशियनों और संबंधित जानकार कार्मिकों का भी पिछले प्रोजेक्ट की तरह योगदान महती होगा। अनुभवी अधिकारी कर्मी तेजी से रिटायर होते जा रहे हैं। पिछले 8 साल के दौरान 4 सेल चेयरमेन और 5 बीएसपी के डायरेक्टर प्रभारी सहित पिछले प्रोजेक्ट में योगदान देने वाले सैकड़ों जानकार अधिकारी रिटायर हो चुके हैं। ऐसी स्थिति में आगे प्रोजेक्ट को लेकर कंपनी की मुश्किलें बढ़ती जाएगीं। प्रोजेक्ट के लेटलतीफी के चलते यूनियनों प्रबंधन व सरकार पर सवाल उठा रही हैं कि कहीं यह लेटलतीफी बीएसपी पर निजीकरण के शिकंजे के कारण तो नहीं हो रही है।

एसपी-3 को मिलेगी सुविधा

एरिया रिपेयर शॉप में पुनरुद्धारित एचएमटी ड्रिलिंग मशीन का पुनः संचालन शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र के सिन्टरिंग प्लांट-3 (एसपी-3) के एरिया रिपेयर शॉप में वर्निषक्रिय पड़ी एचएमटी निर्मित ड्रिलिंग मशीन (मॉडल आरएम-62) का सफलतापूर्वक पुनरुद्धार कर पुनः संचालन प्रारंभ किया गया। मुख्य

- टीम वर्क से मिली सफलता

महाप्रबंधक सजीव वर्गीज, महाप्रबंधक डी. जगदीश, महाप्रबंधक प्रभारी राहुल बिजुरकर तथा जीएम आईवी रमणा की उपस्थिति में मशीन का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर उपस्थित वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि यह आंतरिक संसाधनों, तकनीकी दक्षता एवं समन्वित टीमवर्क का परिणाम है। यह मशीन वर्ष 2017 से विभिन्न यांत्रिक, विद्युत एवं हाइड्रोलिक खराबियों के कारण बंद पड़ी थी। बहु-विभागीय टीम ने आंतरिक तकनीकी विशेषज्ञता एवं विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयासों से इसके व्यापक पुनरुद्धार का कार्य संपन्न किया।

समन्वित प्रयास

पुनरुद्धार कार्य के दौरान क्षतिग्रस्त यांत्रिक पुर्जो का निर्माण मार्स-1 मशीन शॉप में जीएम डी जगदीश व इंजीनियरिंग एसोसिएट हेमंत वानखेड़े की टीम ने किया। टीम में एके तिवारी, एसएस मौरी, डीजीएम दीपक कुमार गुप्ता एजीम एस सहायक प्रबंधक अशोक राव ठाकरे,एमयू राव, वरिष्ठ प्रबंधक जितेश एच. शाहनी, वरिष्ठ प्रबंधक विपिन मौर्य, एजीएम राजेश साहू सहित कर्मचारी शामिल थे। इस पुनरुद्धार से ड्रिलिंग मशीन के पुनः संचालन से एरिया रिपेयर शॉप की मशीनिंग एवं फैब्रिकेशन क्षमताओं को और सुदृढ़ता प्राप्त होगी। इसके माध्यम से ड्रिलिंग कार्यों के निष्पादन में तेजी आएगी।

स्कूलों में बच्चों के धाराप्रवाह पहाड़ा और हिंदी अंग्रेजी बोलने पर जोर

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

दुर्ग ब्लॉक के समस्त संकुल समन्वयक की आवश्यक बैठक विवेकानंद सभागार साक्षरता भवन दुर्ग में आयोजित किया गया।

जिला शिक्षाधिकारी अरविन्द मिश्रा ने शिक्षकों की उपस्थित वीएसके द्वारा,शाला में गुणवत्ता एवं

- दुर्ग ब्लॉक के संकुल समन्वयकों की बैठक में अफसरों ने दी हिदायत

शत-प्रतिशत दर्ज और उपस्थिति पर जोर दिया। उन्होने यूडाईस प्रोग्रेशन, छात्रवृत्ति एमबीयू कार्य को गम्भीरता पूर्वक करने कहा।विकासखंड शिक्षाधिकारी विनोद शुक्ला के द्वारा इस सत्र में कक्षा तीसरी से पांचवीं तक बच्चों को हिंदी धारा प्रवाह पढ़ने एवं बीस तक पहाड़ा तथा कक्षा छठवीं से आठवीं तक बच्चों को हिंदी एवं अंग्रेजी धाराप्रवाह पढ़ने, 25 तक पहाड़ा याद करवाए,गणित संक्रिया का ज्ञान कराने की हिदायत दी। इसके लिए प्रत्येक संकुल समन्वयक को एक प्राथमिक एक मिडिल स्कूल का नोडल बनाया गया है। उन्होने कहा कि दर्ज संख्या वृद्धि, शिक्षा गुणवत्ता अभियान, शाला की साफ सफाई, पुस्तक स्कैनिंग, गणवेश वितरण पर विशेष ध्यान दें। एबीईओ रश्मि ठाकुर द्वारा उल्लास साक्षरता अभियान की जानकारी दिया गया।

यूआरसीसी दुर्ग द्वारा शाला अवलोकन कैसे करें,बच्चों में दक्षता विकास, विकासखंड स्तरीय प्रवेश उत्सव आयोजन पर चर्चा किया गया। बैठक में एबीईओ राजेश्वरी चंद्राकर, संध्या ढीढी, श्रवण सिन्हा बीआरसीसी सहित सभी संकुल शैक्षिक समन्वयक उपस्थित थे ।

बिजली कंपनी के 70 प्रतिशत पद विभागीय पदोन्नति और 30 प्रतिशत सीधी भर्ती से किए जाने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग/अंडा

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल पत्रोपाधि अभियंता संघ की दुर्ग क्षेत्रीय कार्यकारिणी समिति की प्रथम बैठक जटार क्लब के सभागार में आयोजित की गई। बैठक में संघ के प्रांतीय एवं क्षेत्रीय पदाधिकारियों ने विद्युत वितरण व्यवस्था को अधिक प्रभावी, सुरक्षित एवं उपभोक्ता हितैषी

- छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल पत्रोपाधि अभियंता संघ की दुर्ग क्षेत्रीय कार्यकारिणी समिति की प्रथम बैठक आयोजित

बनाने तथा अधिकारियों एवं कर्मचारियों की विभिन्न लंबित समस्याओं के निराकरण के संबंध में विस्तृत चर्चा कर महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए।

बैठक में प्रमुख रूप से अभियंताओं के पदोन्नति कोटे को पूर्व की भांति 70 प्रतिशत विभागीय पदोन्नति एवं 30 प्रतिशत सीधी भर्ती, विभागीय परीक्षा के माध्यम से किए जाने की मांग की गई। इसके साथ ही 33 पी योजना के लिए पर्याप्त बजट उपलब्ध कराने, समाधान योजना के

प्रभावी क्रियान्वयन, पर्याप्त संचार एवं सुधार सामग्री उपलब्ध कराने तथा उपभोक्ताओं की संख्या के आधार पर अधिक भार वाले जोन, उपसंभाग एवं वितरण केंद्रों का पुनर्गठन कर नए जोन एवं वितरण केंद्र स्थापित करने हेतु प्रस्ताव प्रबंधन को भेजने का निर्णय लिया गया।

बैठक में सीएसपीडीसीएल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन स्कीम को शीघ्र लागू किए जाने की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई। साथ ही एसओपी के अनुरूप समय-सीमा में कार्य संपादन सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त एवं अधिकृत कार्यालयीन एवं तकनीकी कर्मचारियों, कार्यालय सहायकों, नवीन संस्करण के विंडो 11 युक्त कंप्यूटर एवं प्रिंटर उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर बल दिया गया। नियमित तकनीकी एवं कार्यालयीन कर्मचारियों की भर्ती करवाने प्रयास किया जाने पर जोर दिया गया। बैठक में यह भी मांग की गई कि 33 केवी एवं 11 केवी विद्युत लाइनों पर परमिट लेकर सुरक्षित कार्य संपादन हेतु अधिकृत कुशल एवं अकुशल कर्मचारियों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए तथा फ्यूज ऑफ कॉल वाहन तीनों पालियों में उपलब्ध कराए जाएं। इसके अतिरिक्त एडवांस टेंडर के अंतर्गत ब्रोकन, डैमेज एवं नवीन विद्युत कनेक्शन कार्यों में हो रहे अनावश्यक विलंब पर चिंता व्यक्त करते हुए इसके त्वरित निराकरण की मांग की गई। उपभोक्ता सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से प्रत्येक उपसंभाग स्तर पर तीनों पालियों में कॉल सेंटर स्थापित करने का भी प्रस्ताव रखा गया।

आईएनओ संगठन द्वारा 32 जिलों में 175 स्थान में 11500 लोगों को कराया अभ्यास

स्वस्थ जीवन शैली जीने के लिए नियमित 365 दिन करें योग : विजय बघेल

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

आईएनओ, आईएम सूर्या फाउंडेशन द्वारा छत्तीसगढ़ के सभी जिलों में 1 से 21 जून तक लगातार वृद्ध आश्रम से लेकर केंद्रीय जेल, अग्निशमन विभाग, नगर सेवा विभाग, उद्योगों सहित स्कूल-कॉलेजों में योगाभ्यास कराया गया।

आईएनओ के प्रदेश महासचिव मनोज ठाकरे ने बताया कि प्रतिदिन 45 मिनट का योग का अभ्यास और उसके महत्व आसन के महत्व बताए गए। 11500 लोगों को योग अभ्यास सामूहिक रूप से करने का छत्तीसगढ़ का कीर्तिमान स्थापित किया है। इस वर्ष योग दिवस की थीम स्वस्थ वृद्धा अवस्था के लिए योग थी। छत्तीसगढ़ में लगभग 18 वृद्ध आश्रम में जाकर योग

कराया गया जिसमें भुजंगासन, कपालभाति, भ्रामरी, ताड़ासन आदि 725 से भी ज्यादा वृद्ध जनों को योग आसन और उसके लाभ की जानकारी दी गई। इसी प्रकार रायपुर, बिलासपुर, रायगढ़, बस्तर, कांकेर, राजनांदगांव, बालोद, बेमेतरा, जांजगीर चांपा, मुंगेली, कवर्धा, डोंगरगढ़ के ग्रामीण इलाकों में आयोजन किया गया। भिलाई के पायनियर स्मारक के परिसर में इंटरनेशनल नेचुरोपैथी आर्गेनाइजेशन छत्तीसगढ़ के द्वारा योग कराया गया। इसका उद्घाटन सांसद विजय बघेल और वरिष्ठ उद्यमी उमेश चितलांगिया ने किया। योग प्रशिक्षिका ममता साहू, मीरा सिंह, आचार्य जितेंद्र साहू द्वारा योग कराया गया। 12वें विश्व योग दिवस सफल बनाने में मुख्य रूप से बालूराम वर्मा, प्रशांत क्षीरसागर, ओपी चौधरी, ममता साहू, मधु पडा, आरती शर्मा, आरती शर्मा, बिसेन, आचार्य अंकित शास्त्री, विनोद राय, डॉ. प्रमोद नामदेव, किशोर कनोजे, डॉ. निर्मला गुप्ता, डॉ. मेघराज साहू, योग थैरेपिस्ट भूपेश साहू, भास्कर, संगीता लहरी, हिमांशु साहू का सक्रिय योगदान रहा।

स्नेह मिलन में किया सम्मान

कुम्हारी। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय कुम्हारी में मातेश्वरी जगदंबा सरस्वती की पुण्यतिथि श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर उनकी स्मृति में पत्रकार स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें ब्रह्माकुमारी संस्था के भाई-बहन, पत्रकार एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में शामिल हुए। मातेश्वरी जगदंबा सरस्वती की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई। इस दौरान उनके जीवन, त्याग, तपस्या और आध्यात्मिक योगदान को याद किया गया। ईशा ने कहा कि मातेश्वरी ने अपने जीवन में सेवा, संस्कार और आध्यात्मिक मूल्यों का संदेश दिया, जो आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। इस कार्यक्रम के तहत पत्रकार स्नेह मिलन समारोह का भी आयोजन किया गया। इसमें क्षेत्र के पत्रकारों का सम्मान किया गया। ब्रह्माकुमारी संस्था के पदाधिकारियों ने मीडिया की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि पत्रकार समाज को सही दिशा देने और सकारात्मक संदेश पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

हरिभूमि

रायपुर, शनिवार 27 जून 2026

लाइव

Email id- haribhoomibhilai@gmail.com

0788- 4091720, Message at 7747020002, 9755819129

बारिश ने बढ़ाया ताजियादारों ...

लाइव इवेंट

लिंक रोड कैम्प-2 में भैरव मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के लिए निकली शोभायात्रा

भिलाई। लिंक रोड कैम्प-2 में भैरव मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह का आयोजन किया जा रहा है। शुक्रवार को भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा नगर भ्रमण करते हुए वापस मंदिर प्रांगण में समाप्त हुई। प्राण प्रतिष्ठा समारोह का आयोजन 22 जून से किया जा रहा है। 22 जून को मण्डप निर्माण, वेदी पूजन, अग्नि प्रकट एवं स्थापन मूर्तिजलाधिवास एवं पुष्याधिवास का कार्यक्रम हुआ। इसके बाद 23 जून को वेदी पूजन, नित्य हवन, मूर्ति घृताधिवास एवं तैलाधिवास हुआ। 24 जून को नित्य पूजन एवं हवन, मूर्ति फलाधिवास के बाद 25 जून को नित्य पूजन एवं हवन, मूर्ति धान्याधिवास का कार्यक्रम हुआ। 26 जून को शोभायात्रा निकाली गई। 27 जून को नित्य पूजन, मूर्ति प्रतिष्ठा, हवन एवं पूर्णाहुति महाआरती एवं भंडारा का कार्यक्रम होगा। सारे अनुष्ठान सुबह 9 बजे के बाद शुरू होंगे। शोभायात्रा में चिन्ना राव, लक्ष्मण गहलोत, रिंकू जैन, सुनील गहलोत, संतोष पति, पूनम गहलोत, हुकुमचंद गहलोत, लालचंद गहलोत, शिवरतन शर्मा, लकी गहलोत, पूर्व पार्षद सविता राव, वर्तमान पार्षद विनोद, भाजपा के वरिष्ठ नेता त्रिलोचन सिंह सहित अन्य मौजूद थे। आयोजक चिन्ना राव ने बताया कि बीकानेर से आमंत्रित 11 पंडितों की टीम सारे अनुष्ठान विधि-विधान के साथ करा रहे हैं। यज्ञाचार्य, ज्योतिषाचार्य पं. आशीष भादाणी और यज्ञ ब्रह्मा योगेश ओझा शास्त्री के सान्निध्य में प्राण प्रतिष्ठा संपन्न हो रहा है। प्रतिमा भी बीकानेर राजस्थान से लाई गई है।

● जगन्नाथ मंदिर सेक्टर-4 और सेक्टर-6 के अलावा दुर्ग में आमदी मंदिर दीपकर नगर और किल्ली मंदिर तमेरपारा में आयोजन

देवस्नान पूर्णिमा : महाभिषेक के बाद 15 दिन विश्राम करेंगे भगवान 16 जुलाई को निकलेगी रथयात्रा, दोनों प्रमुख मंदिरों में तैयारी शुरू

29 जून को देवस्नान पूर्णिमा है। भगवताचार्य और ज्योतिषाचार्य पं. लाखेश्वर पांडेय ने बताया कि भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के महाभिषेक का यह दिन देशभर में रथयात्रा महोत्सव की आध्यात्मिक शुरुआत माना जाता है। खास बात यह है कि पूर्णिमा पर भगवान का भव्य स्नान (अभिषेक) कराने के बाद उन्हें करीब 15 दिन के लिए विश्राम कराया जाएगा और भक्तों के लिए सामान्य दर्शन बंद रहेंगे। भिलाई-दुर्ग के चार प्रसिद्ध मंदिरों में इस दिन विशेष अभिषेक, पूजन, कीर्तन, भजन और महाआरती होगी।

भिलाई। पुराने मंदिरों में दुर्ग के आमदी मंदिर स्टेशन के सामने दीपक नगर और तमेरपारा के किल्ला मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना और संस्कार होंगे। वहीं भिलाई में दो प्रमुख मंदिरों में सेक्टर-6 और सेक्टर-4 में अलग-अलग कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। मंदिरों में ज्येष्ठाभिषेक और आम्राभिषेक किया जाएगा। पूर्णिमा पर विशेष आराधना, महाभिषेक आदि अनुष्ठान होंगे। परंपरानुसार ज्येष्ठ पूर्णिमा पर भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा को मंदिर के गर्भगृह से बाहर लाकर स्नान मंडप में विराजित किया जाता है। पवित्र जल और विभिन्न तीर्थों से लाए जल से भगवान का महाभिषेक किया जाएगा। पुरी की परंपरा में 108 कलशों के जल से यह अभिषेक किया जाता है, लेकिन कुछ मंदिरों में पुष्प, फल और सुगंधित द्रव्यों से भी स्नान कराया जाता है। भिलाई-दुर्ग में भी कुछ इसी तरह की परंपरा है। सेक्टर-6 जगन्नाथ मंदिर में पुरी की तर्ज पर अनुष्ठान कराए जाते हैं। मान्यता है कि पूर्णिमा पर लंबे स्नान (अभिषेक) के कारण भगवान जगन्नाथ को ज्वर हो जाता है। फिर वे अनासार गृह (अनासार काल) में करीब 15 दिन विश्राम करते हैं। इस दौरान भगवान की विशेष औषधीय सेवा की जाती है। उन्हें काढ़ा, औषधीय भोग, स्वास्थ्यवर्धक प्रसाद अर्पित किया जाता है। करीब 15 दिन बाद रथयात्रा में भगवान भक्तों को नवयौवन दर्शन देते हैं। दान, जप और चंद्र उपासना का विशेष महत्व - धार्मिक मान्यता है देवस्नान पूर्णिमा पर स्नान, दान, जप, तप और सेवा का विशेष पुण्यदायी महत्व होता है। इस दिन, अन्नदान, वस्त्रदान, गोसेवा और जरूरतमंदों की सहायता करना चाहिए। पूर्णिमा हान होने के कारण चंद्रमा को अर्घ्य देने तथा विष्णु मंत्रों के जप की भी परंपरा है।

पूर्णिमा स्नान के बाद 15 दिन नहीं होंगे भगवान के दर्शन

पं. लाखेश्वर पांडेय ने बताया 29 जून को विष्णु प्रपन्नाचार्य महाराज के सान्निध्य में भगवान का ज्येष्ठाभिषेक और आम्राभिषेक सुबह 9 बजे से किया जाएगा। 16 जुलाई को रथयात्रा निकाली जाएगी। इधर इस्कॉन मंदिर में भी रथयात्रा निकाली जाएगी। जानकारी के मुताबिक मंदिर द्वारा 19 जुलाई को रथयात्रा निकालने की तैयारी है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार पूर्णिमा पर सूर्य और चंद्रमा आमने-सामने होते हैं, जिससे चंद्रबल प्रबल होता है। चंद्रमा मन, भावनाओं और मानसिक ऊर्जा का कारक है। इसलिए यह दिन ध्यान, साधना, संकल्प, गुरु वंदन और आध्यात्मिक अभ्यास के लिए शुभ माना जाता है।

लाइव इवेंट

शिक्षा के साथ संस्कार और तकनीक का समन्वय आवश्यक

दुर्ग। प्रदेश में संचालित शाला प्रवेशोत्सव के तहत सिकोला हाईस्कूल में आयोजित कार्यक्रम में स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव शामिल हुए। उन्होंने नवप्रवेशी विद्यार्थियों का तिलक लगाकर स्वागत किये तथा उन्हें शिक्षा के नए सत्र के लिए शुभकामनाएं दीं। शिक्षा मंत्री यादव ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उनकी पढ़ाई, पसंदीदा विषयों, जीवन के लक्ष्यों और सपनों के बारे में चर्चा की। उन्होंने बच्चों से कहा कि विद्यालय में प्राप्त शिक्षा और संस्कार जीवन की सबसे बड़ी पूंजी हैं। निरंतर परिश्रम, अनुशासन और सकारात्मक सोच के माध्यम से ही सफलता के नए आयाम स्थापित किए जा सकते हैं।

केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयासरत है। शिक्षा व्यवस्था को समयानुकूल बनाने के लिए डिजिटल शिक्षण, नवाचार आधारित गतिविधियों और विद्यार्थियों की प्रतिभा को विकसित करने वाले संसाधनों का विस्तार किया जा रहा है। सरकार का लक्ष्य है कि प्रत्येक विद्यार्थी को बेहतर सीखने का वातावरण और समान अवसर प्राप्त हो। इस अवसर पर विद्यालय में तैयार किए गए स्मार्ट क्लास का लोकार्पण किया।

10 जुलाई को जिला स्तरीय मेगा रोजगार मेला यूनिवर्सिटी परिसर में

दुर्ग। युवाओं को रोजगार के अधिकाधिक अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग एवं जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र, दुर्ग के संयुक्त तत्वावधान में जिला स्तरीय मेगा रोजगार मेले का आयोजन 10 जुलाई 2026 (शुक्रवार) को सुबह 10 बजे से सायं 4 बजे तक विश्वविद्यालय परिसर स्थित नवीन प्रशासनिक भवन, पोटियाकला, दुर्ग में किया जाएगा। इस मेगा रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनियों द्वारा 2500 से अधिक रिक्त पदों पर भर्ती की जाएगी। रोजगार मेले में टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स, मुथूट फाइनेंस, एडको, क्वेस, रैंडस्टेड, जीनस, डूल्स, एबिस, हीरा, स्काई ऑटोमोबाइल, शिवनाथ ग्रुप, स्क्वेयर सहित अन्य प्रतिष्ठित कंपनियां भाग लेंगी एवं योग्य अभ्यर्थियों का चयन करेंगी। रोजगार मेले में 10वीं, 12वीं, आईटीआई, डिप्लोमा, इंजीनियरिंग, स्नातक, स्नातकोत्तर तथा अन्य व्यावसायिक योग्यताधारी अभ्यर्थियों को रोजगार प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। अभ्यर्थियों के लिए ऑन-द-स्पॉट साक्षात्कार की सुविधा उपलब्ध रहेगी।

श्रीमद्भागवत कथा से संस्कार, राष्ट्रप्रेम एवं गौसंरक्षण का संदेश : डॉ. पाराशर

भिलाई। शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज परिसर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा महोत्सव के अंतर्गत तीसरे दिन कथा व्यास पूज्य डॉ. श्याम सुंदर पाराशर महाराज ने श्रद्धालुओं को भागवत कथा का रसपान कराते हुए जीवन में संस्कार, सदाचार, राष्ट्रभक्ति एवं गौसंरक्षण के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि केवल वैभव, संपन्नता और भौतिक सुख-सुविधाएं किसी व्यक्ति को महान नहीं बनातीं। इतिहास उन्हीं लोगों को याद रखता है, जिन्होंने अपने जीवन को लोककल्याण, सत्य और धर्म के मार्ग पर समर्पित किया हो। उन्होंने संत गोस्वामी तुलसीदास तथा संत कबीरदास का उदाहरण देते हुए कहा कि इन महापुरुषों के पास भले ही सांसारिक वैभव नहीं था, किंतु उनके विचार और आदर्श आज भी करोड़ों लोगों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। समाज में वही व्यक्ति वास्तव में श्रेष्ठ कहलाता है जिसकी कीर्ति और सद्कर्म पीढ़ियों तक स्मरण किए जाते हैं। डॉ. पाराशर ने कहा कि सनातन संस्कृति के मानबिंदुओं की रक्षा करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। गंगा, गाय और भारतीय संस्कृति हमारी आस्था एवं पहचान के प्रमुख आधार हैं। उन्होंने कहा कि गौसंरक्षण केवल सरकार या किसी संस्था की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक सनातनी का नैतिक दायित्व है। यदि प्रत्येक परिवार कम से कम एक गौमाता की सेवा एवं संरक्षण का

संकल्प ले, तो गौवंश की सुरक्षा का कार्य अधिक प्रभावी ढंग से किया जा सकता है। कथा के दौरान मधुर भजनों और संकीर्तन ने पूरे वातावरण को भक्तिमय एवं आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत कर दिया। श्रद्धालु भक्ति रस में डूबकर भगवान श्रीहरि के नाम का गुणगान करते रहे। बड़ी संख्या में श्रद्धालु, गणमान्य नागरिक, महाविद्यालय परिवार के सदस्य एवं आसपास के क्षेत्र से आए भक्तजन कथा श्रवण हेतु उपस्थित रहे। सभी ने कथा के माध्यम से प्राप्त आध्यात्मिक संदेशों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। कथा के समापन पर महाआरती संपन्न हुई तथा श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया।

मानसिक दृढ़ता और सकारात्मक सोच के लिए हर दिन योग जरूरी

दुर्ग। घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय दुर्ग के परिसर में राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत भारत सरकार आयुष मंत्रालय की निर्धारित थीम योग संगम एवं स्वास्थ्य उम्र बढ़ाने के लिए योग पर हर दिन योग शिविर लगाया जा रहा है। कार्यक्रम दयानंद शिक्षा समिति की उपाध्यक्ष आशा रानी गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष दिग्विजय सिंह, प्रबंधक भावना सिंह राजपूत, सलाहकार डॉक्टर नागेंद्र शर्मा एवं सहसचिव मोतीलाल भंडारी के मार्गदर्शन में संपन्न हो रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत ओम की ध्वनि एवं गायत्री मंत्र के उच्चारण से की गई। हर दिन योगासन, सूर्य नमस्कार, ज्ञान एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया जा रहा है। विशेषज्ञों ने बताया कि यह व्यक्ति के तन मन और आत्मा के समन्वय का माध्यम है। नियमित योगाभ्यास से शारीरिक क्षमता के साथ-साथ मानसिक दृढ़ता एवं सकारात्मक सोच का विकास होता है। योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाकर अनेक जीवन शैली जनित रोगों से बचा जा सकता है। कार्यक्रम का समापन भी ओम की ध्वनि एवं शांति पाठ के साथ किया गया। अंत में सभी उपस्थित जनों को पोस्टिक अंकुरित आहार का वितरण किया गया।

कार्नर न्यूज

सद्गुरु कबीर साहेब के विचारों जन-जन तक पहुंचाने का लिया संकल्प

श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मना सद्गुरु कबीर का जन्मोत्सव, विचारों को आत्मसात करने लिया संकल्प

भिलाई। ग्राम लिटिया में श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ सद्गुरु कबीर साहेब जन्मोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम में आयोजित सत्संग में वक्ताओं ने एक स्वर से कहा कि संत कबीर की विचारधारा आज के दौर में पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है। उनके संदेश समाज को अंधविश्वास, पाखंड, जातिवाद, नशाखोरी और सामाजिक भेदभाव से मुक्त कर वैज्ञानिक, मानवीय एवं समतामूलक समाज की ओर ले जाने वाले हैं। सत्संग में वक्ताओं ने कहा कि सद्गुरु कबीर साहेब ने नशामुक्त समाज, सत्य, समानता और विवेकपूर्ण जीवन का संदेश दिया। उन्होंने पाखंड और रूढ़िवाद का विरोध करते हुए मनुष्य को तर्क, अनुभव और वैज्ञानिक सोच अपनाने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर कबीर साहेब का प्रसिद्ध दोहा उद्धृत किया गया। वक्ताओं ने कहा कि आज भी समाज के एक बड़े हिस्से को अंधभक्ति और पाखंड के जाल में उलझाकर शोषण किया जा रहा है, जबकि कबीर साहेब ने सदैव सत्य, विवेक और मानवता का मार्ग दिखाया। महिला संतों ने कहा कि ईश्वर बाहरी आडंबरों में नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर, उसके सद्कर्मों, प्रेम, करुणा और सत्य में निवास करते हैं।

सामाजिक बहिष्कार, ऊँच-नीच, जातिगत भेदभाव और कुरीतियों पर गंभीर

चर्चा करते हुए संतों ने कहा कि समता, समानता, भाईचारा और सामाजिक न्याय की स्थापना ही समाज के वास्तविक विकास का आधार है। समाज से हर प्रकार के भेदभाव और अमानवीय परंपराओं का अंत होना चाहिए। कार्यक्रम में कबीर भजन, चौका-आरती तथा सामूहिक संकल्प के माध्यम से समाज में व्याप्त नशाखोरी, अंधविश्वास, सामाजिक कुरीतियों और भेदभाव को समाप्त करने का संकल्प लिया गया। उपस्थित लोगों ने राज्य सरकार से छत्तीसगढ़ में नशे की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की भी मांग की। कार्यक्रम में कलादास डेहरिया, हेमुदास डेहरिया, मूर्तिदास डेहरिया, मनराखन दास डेहरिया, महेश दास डेहरिया, लोमस दास डेहरिया, यम दास डेहरिया, बोधन दास डेहरिया, तुलसी दास डेहरिया, रानु डेहरिया, कोदिया डेहरिया, सविता डेहरिया, राधा डेहरिया, कांती डेहरिया सहित अन्य मौजूद थे।

सदगुरु कबीर साहेब प्रकट दिवस पर कार्यक्रम आज

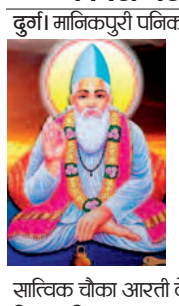

दुर्ग। मानिकपुरी पनिका समाज आशा नगर के तत्वावधान में सदगुरु कबीर सत्संग भवन आशा नगर रजत बिल्डिंग के पास कबीर जयंती मनाई जाएगी। 29 जून की सुबह 9 बजे ध्वजारोहण होगा। इसके बद सदगुरु कबीर की आरती होगी। अतिथियों का स्वागत किया जाएगा। तदुपरांत सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा। सात्विक चौका आरती के बाद प्रसाद एवं महाप्रसाद वितरण किया जाएगा। इसके बाद सतगुरु कबीर साहेब की आरती पूजा व प्रसाद वितरण किया जाएगा। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सामाजिक लोग उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर प्रबुद्ध नागरिकों द्वारा सदगुरु कबीर के विचारों, उनके द्वारा समाज को दिए गए संदेश, जीवन परिचय व आध्यात्मिक महत्व पर विचार रखे जाएंगे। सदगुरु कबीर साहेब 14 वीं सदी के ऐसे सन्त थे, जिनकी वाणी में विश्व के मंगल का संदेश छिपा रहा। कबीर ने मानवीय सहिष्णुता और एकात्मकता का संदेश दिया। साथ ही उन्होंने साहित्य, विज्ञान, मनोविज्ञान और पर्यावरण का समन्वय भी किया।

सिटी इवेंट

व्याख्यान कार्यशाला में होंगे आचार्य हरीश साहू शामिल

भिलाई। श्रीराज मानस संघ धमतरी छत्तीसगढ़ के तत्वावधान में

त्रिदिवसीय भव्य आवासीय मानस व्याख्यान मंथन कार्यशाला का 28 जून तक आमंत्रण हेरिटेज रुद्री रोड धमतरी में किया जा रहा है। इस कार्यशाला में उरला पाटन से आचार्य हरीश को व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया है। आचार्य हरीश ने बताया कि मानस व्याख्यान मंथन सुबह 10 से रात्रि 7 बजे तक एवं सुबह चाय, नास्ता, दोपहर 1.30 से 2.30 तक भोजन अवकाश होगा। समस्त मानस शक्ति केंद्र के अध्यक्ष, सचिव, समस्त पदाधिकारी गण, मानस मंडली के साथी, राघवेन्द्र सरकार मानस परिषद, तहसील राजमानस संघ गुरुर एवं मानस शक्ति केंद्र सोनारपारा के पदाधिकारीगण, मानस मंडली के साथीगण एवं छत्तीसगढ़ प्रान्त के समस्त जिला से मानस ब्याख्यान साथियों की उपस्थिति होगी।मानस मंथन कार्यशाला के आचार्य महेन्द्र साहू, प्रेम लाल साहू, डॉ. लोकेश साहू, कोदू राम चन्द्राकर, डॉ. भूषण लाल चन्द्राकर, प्यारेलाल साहू हैं। मंच संचालक आचार्य अर्जुन पुरी गोस्वामी एवं योगेश्वर साहू होंगे। ग्राम विकास समिति के अध्यक्ष छन्नू बंजारे, रामकुमार साहू ने कहा कि आचार्य हरीश धर्म के प्रचार के लिए कथा भी करते हैं। निरंतर 8 साल से धर्म प्रचार में लगे हुए हैं। आगामी दिसम्बर में शिव महा पुराण कथा उनके मुखारविंद से सुनने को मिलेगी।

सिटी लाइव

रंगकर्मी यश ओबेराम का अगासदिया परिसर में सम्मान

भिलाई। प्रसिद्ध कलाकार, फिटनेश कोच एवं लेखक यश ओबेराय, अपनी चर्चित किताब जीरो से हीरो तथा पिता पर लिखित पुस्तक भेंट करने अगासदिया परिसर पधारे। पिता पर पुस्तक में उन्होंने समर्पण लिखा छुटपन में जो पिता को खो देता है, वह हर व्यक्ति में पिता खोजता है। इस पंक्ति ने लोगों को प्रभावित किया। ओबेराय की दूसरी किताब जीरो से हीरो का आर्कषक प्रकाशन वैभव प्रकाशन से हुआ। यह यश ओबेराय की जीवनी है। इस जीवनी में उन्होंने साधन हिनता के बावजूद एक पितृहीन बालक ने अपनी मां की छाया में किस तरह दुनिया की मुसीबतों से पार पाकर यश प्राप्त किया, इसकी कथा है। वे प्रसिद्ध रंगकर्मी सुब्रत बोस के मित्र तथा उनके पारिवारिक सदस्य हैं। उन्होंने प्रसिद्ध नाटकों में नायक की भूमिका अदा की। अनेकों सम्मान प्राप्त यश ओबेराय का अगासदिया परिसर में वरिष्ठ नागरिक संघ के उपाध्यक्ष मालवीय ने कलात्मक दुपट्टा भेंट कर सम्मान किया। मैने उन्हें अपनी आत्मकथा सुरंग के उस पार भेंट किया जिसे उन्होंने नगद राशि देकर स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि खरीदी गई किताब पढ़ी जाती है। मुफ्त में मिली किताब को प्रायः नहीं पढ़ा जाता चाहता हूं इसलिए पढ़ूंगा। नीतीश वर्मा ने उनके आगमन पर अगासदिया परिवार की ओर से आभार व्यक्त किया गया।

सिटी इवेंट

आपदा प्रबंधन पर बेहतर काम करने वाले व्यक्ति और संस्था होंगे सम्मानित

दुर्ग। आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं को सम्मानित किया जाएगा। प्रतिवर्ष इसके लिए सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार प्रदान किया जाता है। इस बार भी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस संबंध में भारत सरकार के गृह सचिव गोविंद मोहन ने राज्य में व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के दिशा-निर्देश दिए हैं। उल्लेखनीय है कि यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रतिवर्ष 23 जनवरी को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर प्रदान किया जाता है। पुरस्कार दो श्रेणियों व्यक्तिगत (प्रशस्ति पत्र एवं पदक) तथा संस्थागत (प्रशस्ति पत्र एवं पट्टिका) में दिया जाता है, जिसके नामांकन पूरे वर्ष राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल के माध्यम से खुले रहते हैं। इसमें स्व-नामांकन और तृतीय पक्ष नामांकन दोनों की व्यवस्था उपलब्ध कराई गई है। वर्तमान में जलवायु परिवर्तन और तीव्र शहरीकरण के कारण बाढ़, सूखा, लू, शीत लहर, बिजली, शहरी बाढ़ और औद्योगिक दुर्घटनाओं जैसी आपदाओं के जोखिम लगातार जटिल होती जा रही हैं। इन चुनौतियों के बीच जन-जीवन, आजीविका और अवसंरचना की सुरक्षा के लिए राज्य सरकारों तथा जिला प्रशासनों द्वारा आपदा जोखिम न्यूनीकरण, शमन और तैयारियों के क्षेत्र में सराहनीय प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में केंद्र सरकार ने आग्रह किया है कि पुरस्कार से संबंधित जानकारी को राज्य के सभी विभागों, जिला प्रशासन, राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों, अनुसंधान संस्थानों तथा स्थानीय निकायों तक प्रसारित किया जाए। साथ ही, आपदा प्रबंधन, पूर्व चेतावनी प्रसार, जलवायु अनुकूलन, आपदा-रोधी अवसंरचना और सामुदायिक आपदा जोखिम न्यूनीकरण में उत्कृष्ट कार्य करने वाले नायकों की पहचान कर उनके नामांकन को प्रोत्साहित किया जाए ताकि राष्ट्रीय स्तर पर राज्य के आपदा लचीलेपन को मजबूत पहचान मिल सके।

- यह पुरस्कार प्रतिवर्ष 23 जनवरी को नेताजी सुभाषचंद्र बोस जयंती पर दी जाती है

● भिलाई-दुर्ग में जगह-जगह रक्तदान, लंगर सहित अन्य सेवाकार्य रहे जारी

बारिश ने बढ़ाया ताजियादारों का हौसला, जुलूस में गूंजी या हुसैन की सदा, मस्जिदों और घरों में पढ़ी गईं दुआएं आशूरा

भिलाई। करबला के शहीदों की याद में शहर में यौमे आशूरा शुक्रवार को परम्परागत ढंग से मनाया गया। मस्जिदों और घरों में जहां लोगों ने दोपहर में खास तौर पर दुआए आशूरा पढ़ी, वहीं ताजियादारी,सवारी और अखाड़ा मुख्य जुलूस की रौनक रहे। जगह-जगह लंगर और सबील के जरिए मानव सेवा का पैगाम दिया गया। वहीं विभिन्न कमेटियों की ओर से रक्तदान की भी पहल की गई। यौमे आशूरा का जुलूस दोपहर बाद पावर हाउस ओवर ब्रिज पर इकट्ठा होना शुरू हुआ। इस दौरान जम कर बारिश होने लगी। लोग बारिश में भीगते हुए करबला के शहीदों की याद में 'या हुसैन'की सदा बुलंद करते रहे। इस दौरान अखाड़े में हैरतअंगेज करतब दिखाते नौजवान आगे बढ़ते रहे। यहां से जुलूस सेक्टर-1 से सेंट्रल एवेन्यू और सेक्टर-5 चौक होते हुए रात में सेक्टर-6 मस्जिद तक पहुंचा। इसके बाद देर रात जुलूस करबला मैदान जीई रोड पहुंचा, जहां फातिहा ख्वानी के बाद लोग सुबह तक घर लौटे।

भिलाई-दुर्ग में जगह-जगह निकला ताजिया, लोगों ने किया स्वागत

मुहर्रम के 10 वें दिन यौमे आशूरा पर शहर की सभी मस्जिदों में दोपहर के वक्त नमाजे जुहर के बाद मिल कर दुआएं आशूरा पढ़ी गई। वहीं मस्जिदों, इमामबाड़ों और ताजिया निकलने के रास्ते में जगह-जगह लंगर और सबील का इंतजाम किया गया था। छत्तीसगढ़ मुस्लिम फ्रंट की ओर से इमाम हुसैन की याद में रक्तदान शिविर और आम लंगर का आयोजन जामा मस्जिद सेक्टर-6 भिलाई में किया गया। जिसमें बड़ी तादाद में लोगों ने भागीदारी दी। इधर करबला कमेटी की ओर से भी करबला मैदान में राहगीरों के लिए शरबत की सबील का इंतजाम किया गया। वहीं कमेटी ने जुलूस की व्यवस्था देख रहे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुखनंदन राठौर, डीएसपी चंद्रप्रकाश तिवारी और अन्य पुलिस अफसरों का इस्तकबाल किया।

नौजवानों ने अखाड़े में दिखाए करतब

इसके पहले ताजिए का जुलूस शहर की परंपरा अनुसार 25-26 जून की दरमियानी रात पावर हाउस चौक पर इकट्ठा हुआ। कैम्प, खुर्सीपार, फरीद नगर, सुपेला और सेक्टर क्षेत्र के तमाम ताजिया, अखाड़ा और सवारी की कमेटियां जुलूस के तौर पर पावर हाउस पहुंचे। जहां अखाड़े के करतब नौजवानों ने दिखाए। वहीं फातिहा ख्वानी हुई और सुबह-सुबह सभी कमेटियां वापस अपने अपने इमामबाड़े पहुंची। जहां से शुक्रवार दोपहर बाद मुख्य जुलूस के लिए सभी रवाना हुए और देर रात करबला मैदान पहुंचे। तमाम ताजिया, अखाड़ा, सवारी कमेटी, करबला कमेटी, अंजुमन शहीदीया हाउसिंग बोर्ड के संस्थापक हाजी एमएच सिद्दीकी और अंजुमन हुसैनिया-इलाहाबादी पंचायती ताजिया के सदर हुसैन अली अशरफी ने मुहर्रम का जुलूस बिना किसी बाधा के संपन्न होने और कानून-व्यवस्था की स्थिति को बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, नगर निगम के सहयोग के और आम जनता का आभार जताया है।

गोंडवाना समाज के तत्वावधान में आयोजन

चित्रकला प्रतियोगिता में युवाओं ने पेंटिंग के जरिए जल-जंगल-जमीन बचाने का दिया संदेश

दुर्ग। विकास के नाम पर लगातार काटे जा रहे जंगलों से आदिवासी समाज की संस्कृति और पहचान पर खतरा मंडरा रहा है। इस मुद्दे को लेकर दुर्ग में युवाओं ने कूची का सहारा लिया। गोंडवाना समाज की चित्रकला प्रतियोगिता में युवाओं ने अपनी पेंटिंग के जरिए जल-जंगल-जमीन बचाने का संदेश दिया। यह चित्रकला प्रतियोगिता दुर्ग के सिविल लाइन स्थित कंचना धुरवा देवालय में गोंडवाना समाज के तत्वावधान में गत दिवस आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बूढ़ादेव की पूजा-अर्चना से हुआ। इस प्रतियोगिता का विषय था जंगल विहीन आदिवासी। युवा चित्रकारों ने अपनी कल्पना और कूची से जंगलों की अंधाधुंध कटाई का दर्द कैनवास पर उतारा। चित्रों में दिखाया गया कि कैसे जंगल कटने से आदिवासी सभ्यता, उनकी परंपराएं और पूरा पर्यावरण तंत्र प्रभावित हो रहा है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से वरिष्ठ समाजसेवी राकेश ठाकुर, अभियंता अनुसुईया ठाकुर, पूर्व अधिकारी जीआर. सोरी, महिला प्रभाग अध्यक्ष ममता अरमो, राजेश्वरी नेताम, डॉ. कुंती ठाकुर, समाजसेविका अन्नपूर्णेश्वरी ठाकुर, गोरेलाल ठाकुर, डीआर. ध्रुव, एफसीआई अधिकारी अश्विनी पोर्ते व महावीर ठाकुर आदि समाज प्रमुख उपस्थित थे। इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी राकेश ठाकुर ने कहा कि जल, जंगल और जमीन आदिवासियों की आत्मा है। विकास के नाम पर जंगलों की कटाई से आदिवासी सभ्यता, धार्मिक-शैक्षणिक और पर्यावरण व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित होगी। हमें इसे बचाना ही होगा। ममता अरमो ने कहा कि आज के युवा कला के माध्यम से जागरूकता फैलाने का जो प्रयास कर रहे हैं, वह सराहनीय है। उन्होंने इस प्रकार के प्रयासों में भविष्य में साथ देने की बात कही।

विजेता प्रतिभागियों को किया गया सम्मानित : निर्णायक मंडल ने चित्रों के आधार पर विजेताओं की घोषणा की। प्रतियोगिता में संजना ठाकुर ने प्रथम और देविका देवांगन तथा डोमेंद्र सिंह ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। सभी प्रतिभागियों को पुष्प गुच्छ, प्रतीक चिन्ह और पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए सभी को छायादार पौधों का वितरण किया गया। इस अवसर पर लखन नेताम, चंदू ध्रुव, सागर मंडावी, मनोज ठाकुर, कमल नागवंशी, देवादु, श्यामा ठाकुर, संगीता नेताम, भारती ध्रुव, दिनेश ठाकुर, राजेश्वरी, नम्रता, चंचल ठाकुर, परमानंद नेताम मुड़ादार, पूर्व सरपंच नेताम, लता ठाकुर, कनिष्ठ ठाकुर, प्रियांशी ठाकुर, चांदनी धुर्वे, हिना ठाकुर, पुष्पा नेताम समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

शानदार सफलता

सीए इंटरमीडिएट में दिव्यांश को ऑल इंडिया 33 वां रैंक

दुर्ग। शहर के छात्र दिव्यांश यादव ने चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) इंटरमीडिएट परीक्षा में शानदार सफलता प्राप्त करते हुए ऑल इंडिया रैंक 33 हासिल की है। उन्होंने दोनों ग्रुप की परीक्षाएं एक साथ उत्तीर्ण कर दुर्ग शहर एवं छत्तीसगढ़ का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है।

दिव्यांश की यह उपलब्धि उनकी निरंतर मेहनत, अनुशासन और समर्पण का परिणाम है।

- परीक्षा की तैयारी के दौरान उन्होंने प्रतिदिन 12 से 15 घंटे तक नियमित किया अध्ययन

इससे पूर्व भी उन्होंने सीए फाउंडेशन परीक्षा में छत्तीसगढ़ में प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया था। अब एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर उन्होंने अपनी क्षमता सिद्ध कर दी है। दिव्यांश ने बताया कि परीक्षा की तैयारी के दौरान उन्होंने प्रतिदिन 12 से 15 घंटे तक नियमित अध्ययन किया। उन्होंने सोशल मीडिया से पूरी तरह दूरी बनाते हुए अपना सोशल मीडिया अकाउंट भी डिलीट कर दिया, ताकि पढ़ाई पर पूरा ध्यान केंद्रित कर सकें। उनका मानना है कि यदि स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित कर पूरी लगन और अनुशासन के साथ तैयारी की जाए, तो सफलता अवश्य मिलती है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने पिता गैंदलाल यादव, माता रश्मी यादव एवं भाई चंद्रांश यादव को दिया, जिन्होंने हर कदम पर उनका उत्साहवर्धन और मार्गदर्शन किया।

नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी पर भी शिकंजा कसना आवश्यक

नशे में बर्बाद हो रहे युवा, उन्हें इस दलदल से निकालने के लिए सामूहिक भागीदारी जरूरी, पालकों की भूमिका अहम

कार्नर न्यूज

दुर्ग। नशीली दवाओं के दुरुपयोग एवं अवैध तस्करी के खिलाफ जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने अभियान छेड़ रखा है। इसे लेकर महावीर जैन पब्लिक स्कूल में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय के पांच न्यायाधीश श्वेता पटेल, रवि कुमार कश्यप, अंजली सिंह, महिमा शर्मा एवं आरती ध्रुव विशेष रूप से शामिल हुए। कार्यक्रम में विद्यालय की प्राचार्य सुनाली पातरा सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित थे। सबसे पहले न्यायाधीशों का विद्यालय परिवार ने भव्य स्वागत किया। इसके बाद न्यायाधीशों ने विद्यार्थियों से संवाद स्थापित करते हुए उन्हें कानून, न्याय व्यवस्था एवं नागरिक कर्तव्यों के संबंध में सरल एवं सहज भाषा में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। शिविर के दौरान विद्यार्थियों को एनडीपीएस अधिनियम के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। न्यायाधीशों ने नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि उसके परिवार, शिक्षा एवं भविष्य को भी गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाता है। विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। इसका शिकार सबसे ज्यादा युवा हैं।

नशीली दवाओं की बिक्री रोकने से नशाखोरी में लगेगा अंकुश

विशेषज्ञों ने जानकारी दी कि कानून का पालन हो रहा है। ताकि नशीली दवा बेचने से पहले हजार बार सोचें। नशीली दवाइयों की बिक्री और फैलाव रोकने का एक ही तरीका है। ऐसी दवा जिनमें नशे की मात्रा है, वो डाक्टरों की पर्ची के बिना किसी भी सूरत में नहीं मिलनी चाहिए, वह भी एक पर्ची से एक ही बार। जहां तक अस्पतालों का सवाल है, वहां ऐसे प्रावधान जरूरी है कि मरीजों का जीवन बचाने के लिए डॉक्टर बिना किसी बंधन के कोई भी फैसला ले सकें। जहां कहीं भी नशे के उत्पादों की बिक्री की शिकायत मिलती है, तत्काल इसकी सूचना पुलिस और प्रशासन को दी जाए। ताकि ऐसा करने वालों पर तुरंत कार्रवाई हो। पुलिस और नशा नियंत्रण में लगी एजेंसियों को भी इसे गंभीरता से लेना चाहिए। तभी इस विशेष दिवस की सार्थकता है।

हेलमेट के उपयोग और साइबर फ्रॉड से बचाव के बारे में बताया

इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों को यातायात नियमों की जानकारी देते हुए बिना हेलमेट एवं बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस के वाहन न चलाने की समझाइश दी गई। साथ ही मोबाइल एवं इंटरनेट के माध्यम से होने वाले साइबर अपराधों, ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, संदिग्ध लिंक एवं ओटीपी साझा करने के खतरों के बारे में भी जागरूक किया गया तथा साइबर फ्रॉड से बचाव के उपाय बताए गए। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विभिन्न विषयों पर प्रश्न पूछे, जिनका न्यायाधीशों ने अत्यंत सरल, स्पष्ट एवं प्रेरणादायक ढंग से उत्तर देकर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। अंत में विद्यार्थियों को नशामुक्त जीवन, सुरक्षित डिजिटल व्यवहार तथा कानून के प्रति जागरूक एवं जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश दिया गया। नशे को लेकर वक्ताओं ने कहा कि युवाओं को इस दलदल से निकालने के लिए सामूहिक सहभागिता आवश्यक है। पालकों और शिक्षकों की भूमिका सबसे अहम है।

सिटी स्पोर्ट्स

कांस्य पदक जीत कर राजधानी लौटने पर युवराज समिधा और अमन का स्वागत

रायपुर। कुआलालंपुर, मलेशिया में 16 से 22 जून तक आयोजित प्रथम स्कूल वर्ल्ड चैंपियनशिप में भाग लेकर कोलकाता से रायपुर ट्रेन द्वारा पहुंचने पर कांस्य पदक विजेता बस्तर के युवराज सिंह, रायपुर की समिधा अग्रवाल और एथलीट कमीशन के चेयरमैन अमन यादव का राजधानी के रेल्वे स्टेशन में राज्य म्यूथाई संघ के महासचिव अनीस मेमन के नेतृत्व में शानदार स्वागत किया गया। उल्लेखनीय है कि इस अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप में भारत को युवराज सिंह ने कांस्य पदक दिलाया इसके अलावा रायपुर की समिधा क्वार्टर फाइनल तक पहुंची. स्वागत अवसर पर राज्य म्यूथाई संघ के महासचिव अनीस मेमन, विशाल हियाल, शुभम निषाद, आकाश कासू, शरद अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

राजगोपालन लगातार तीसरे वर्ष इंग्लैंड में मालबोरो कप के लिए भारतीय टीम में चयनित

भिलाई। इस्पात नगरी भिलाई के पूर्व रणजी खिलाड़ी के राजगोपालन लंदन में 5 जुलाई से 8 जुलाई तक होने वाली मालबोरो कप प्रतियोगिता के लिए लगातार तीसरे वर्ष चयनित हुए है। यहां भारतीय टीम के अतिरिक्त इंग्लैंड, वेल्स और जिम्बाब्वे की टीमें हिस्सा लेंगी। इस प्रतियोगिता के पूर्व 28 जून से सभी टीमें 2-2 प्रेक्टिस मैच खेलेंगे। जिसमें गत वर्ष के मालबोरो कप प्रतियोगिता में राजगोपालन के शानदार प्रदर्शन एवं इस वर्ष खेले गये घरेलू प्रतियोगिताओं के आधार पर इस वर्ष भी चयन भारतीय टीम में किया गया। भिलाई इस्पात संयंत्र के क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधा विभाग में कार्यरत राजगोपालन तत्कालीन एमपी से ओपनर बल्लेबाज एवं विकेट कीपर के रूप में रणजी खिलाड़ी रहे हैं। राजगोपालन छत्तीसगढ़ के रणजी टीम में बैटिंग कोच, अंडर 19 एवं 16 के मुख्य कोच के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

राष्ट्रीय किकबाक्सिंग में राज्य की टीम ने जीते 45 पदक

रायपुर। मध्य प्रदेश किकबाक्सिंग एसोसियेशन के तत्वाधान में इंदौर पब्लिक स्कूल में 17 से 21 जून तक सब जूनियर (बालक-बालिका) वर्ग की राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उक्त प्रतियोगिता में देश के सभी राज्यों से 1600 खिलाड़ीयों एवं 250 ऑफिशियल ने हिस्सा लिया।

छत्तीसगढ़ किकबॉक्सिंग एसोसिएशन के कार्यकारी अध्यक्ष तारकेश मिश्रा एवं महासचिव आकाश गुरुदीवान ने बताया कि स्पर्धा में राज्य के रायपुर, बिलासपुर, कोरबा, मुंगेली, बलौदा बाजार, सहित विभिन्न जिलों के 92 सब जूनियर वर्ग के बालक बालिका खिलाड़ियों ने पाइंट फाइटिंग, लाइट कांटेक्ट, किक लाइट, म्यूजिकल फार्म्स एवं क्रिएटिव फार्म्स की प्रतियोगिताओं में विभिन्न वजन वर्गो में हिस्सा लिया। छत्तीसगढ़ के प्रतिभागियों ने 9 स्वर्ण, 11 रजत तथा 25 कांस्य सहित 45 पदक जीते। इस प्रकार राज्य की टीम ने 32 टीमों के बीच आल ओवर छठवां स्थान प्राप्त किया।

परिणाम में कोरबा जिला वैदिक पलेरिया, काव्या दिनेश एवं नाफिया सिद्दीकी ने स्वर्ण एवं श्रेया, लक्ष्मी साहू सहित काव्या ने डबल इवेंट में रजत तथा खुशाल साहू एवं समायरा नाहक ने 2 कांस्य पदक प्राप्त किया। बलौदाबाजार से रविंद्र वैष्णव रजत, शैली यादव ने कांस्य पदक, बेमेतरा वसुंधरा शुक्ला कांस्य पदक,बिलासपुर स्वर्ण पदक कृदय गांगुली, गोपाल प्रसाद, उनमुक्त साहू, सौम्य साहू, अर्पिता साहू रजत पदक, परमेश्वरी लोहार, रणवीर साहू, यमन साहू, उनशिका, शिवाक्ष, गोपाल,कांस्य पदक मिशिता साहू, मानसी साहू, सृष्टि कश्यप, देविका साहू, शिवाक्ष पटेल, परमेश्वरी लोहार, अर्पिता साहू रायपुर, स्वर्ण पदक विजेता अवयांश जोशी, श्लोक झा, कांस्य पदक विजेता अवयांश जोशी, कनिका साहू श्लोक झा, काश्वी गेंड्रे, कुंजल पटेल, दिव्यांशी पोयाम, वानिया साहू. प्रशिक्षक के रूप में अमन सोनी, अंकुश लाल यादव, लोकित्ता चौहान, बरुन बाग, हिमांशु एवं रेफरी प्रभात साहू, मयंक डडसेना, मनीष बाग उपस्थित रहे। सभी खिलाड़ियों एवं आफिशियल को किकबाक्सिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष छगनलाल मूंदड़ा, कार्यकारी अध्यक्ष तारकेश मिश्रा, महासचिव आकाश गुरुदीवान आदि ने बधाई दी।

सुबह आंख खुलते ही दिखें ऐसे लक्षण, तो समझ जाएं थायराइड दस्तक दे चुका

थायराइड का असर हो तो दिख जाते हैं इसके लक्षण, जान लीजिए आप भी तो नहीं हैं चपेट में

थायराइड एक आम समस्या है, लेकिन ध्यान नहीं दिया जाए, तो दिक्कत हो जाती है। अगर आपको सुबह उठते ही कुछ लक्षण लिखाई दे तो आपको डॉक्टर के पास तुरंत जाना चाहिए। आज की भाग दौड़ भरी जिंदगी में थायराइड की समस्या एकदम आम हो गई है। किसी को भी थायराइड अपनी चपेट में ले सकता है। सबसे पहले जानते हैं कि थायराइड क्या है?

थायराइड एक तितली के आकार की ग्रंथि होती है, जो हमारे गले के सामने वाले हिस्से में मौजूद होती है। यह ग्रंथि टी 3 और टी 4 नामक हार्मोन बनती है, जो शरीर के कई कार्यो के लिए जरूरी है। यह मेटाबॉलिज्म, एनर्जी, वजन, मूड यहां तक की स्किन और बालों की सेहत के लिए जरूरी है।

थायराइड दो तरह का होता है। एक जिसमें हार्मोन कम बनने लगता है और दूसरा जिसमें हार्मोन जरूरत से ज्यादा बनने लगता है। अधिकतर लोगों को कम हार्मोन बनने वाली ही शिकायत होती है। कई बार थायराइड बढ़ जाता है और इसकी जानकारी हमें बाद में होती है ऐसे में आपको कुछ ऐसे लक्षण के बारे में जानना चाहिए जो सुबह उठने पर दिखाई देते हैं।

सुबह आंख खुलते ही दिखते हैं ये लक्षण

रात भर सोने के बाद जब आप सुबह उठती हैं और आपको थकान महसूस होती है, तो समझ जाइए की थायराइड आपके घेर रहा है। बता दें कि थायराइड ग्रंथि शरीर के मेटाबॉलिज्म बनाने की प्रक्रिया को नियंत्रित करती है और जब यह ग्रंथि ठीक से काम नहीं करती है तो शरीर में बदलाव आने लगते हैं। इसकी कमी से सुस्ती महसूस होती है।

जब शरीर में इस हार्मोन की कमी होने लगती है, तो शरीर में फ्लुएड रिटेंशन होने लगता है। जिस वजह से सुबह के वक्त आपका चेहरा सूजा हुआ लगता है और आंखें भरी लगती है। अगर आप खुद में यह बदलाव नोटिस कर रही हैं, तो आपको डॉक्टर से मिलना चाहिए

बता दे की थायराइड हार्मोन की कमी शरीर के हर सेल को प्रभावित करती है। चाहे वह मांसपेशियां, जोड़ हो या तंत्रिका तंत्र। थायराइड हार्मोन की कमी से मांसपेशियों में ऊर्जा की सप्लाई घट जाती है। इससे मांसपेशियों में अकड़न और दर्द महसूस होता है। कई बार उंगलियों के जोड़ों में अकड़न और दर्द भी होता है।

अगर सुबह उठते ही आपको लगता है कि दिल की धड़कन काफी ज्यादा तेज है तो यह थायराइड हार्मोन के बहुत ज्यादा स्तर का संकेत हो सकता है। इसे पैल्पिटेशन कहा जाता है। ऐसा हाइपरथायरायडिज्म में होता है।

पुरुषों में थायराइड के लक्षण हो सकते हैं बेवजह चिढ़ना और पैरों में दर्द जैसी समस्याएं

पुरुषों में थायराइड के प्रमुख लक्षणः पुरुषों में अगर मोटापा है तो उन्हें अपना थायराइड टेस्ट करवाना चाहिए। क्योंकि ये थायराइड के प्रमुख लक्षणों में से एक है जो कि मेटाबोलिज्म ठीक रखने वाले थायराइड हार्मोन्स की गड़बड़ियों के कारण हो सकता है।

बेवजह चिढ़ना और मूड स्विंग्स

हाइपोथायरायडिज्म जिसमें कि थायराइड हार्मोन का प्रोडक्शन कम होता है। इस स्थिति में पुरुषों में महिलाओं के जैसे मूड स्विंग्स होने लगते हैं। ऐसे में पुरुष कभी बेवजह चिढ़ने लगते हैं तो कभी तुरंत गुस्सा हो जाते हैं। दरअसल,ये सब टेस्टोस्टेरोन हार्मोन का लेवल कम होने की वजह से होता है और इसलिए ये पुरुषों में एंग्जायटी और डिप्रेशन जैसे समस्याओं का कारण भी बन सकता है।

पैरों में दर्द रहना

पैरों में दर्द को अक्सर लोग नजरअंदाज कर देते हैं। जबकि ये कुछ गंभीर स्थितियों का लक्षण हो सकता है। दरअसल, जब थायराइड ग्रंथि शरीर में जरूरत से ज्यादा थायराइड हार्मोन का उत्पादन करने लगती है तो ये मांसपेशियां को कमजोर करती है और मसल्स के खिंचाव पैदा करती है। इससे पैरों में जलन और दर्द की समस्या होती है।

टेनिस में खिलाड़ियों ने किया शानदार प्रदर्शन

रायपुर। टीपीएल टेनिस टूर्नामेंट के अंतर्गत पहले दिन खेले गए मुकाबलों में खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए अगले दौर में अपनी जगह बनाई। 26-28 जून तक वी आई पी क्लब में आयोजित टूर्नामेंट में आज कई खिलाड़ियों ने प्रभावशाली जीत दर्ज की, वहीं कुछ मुकाबले रोमांचक रहे।

■ टीपीएल आर एस सी टेनिस एकेडमी का टूर्नामेंट वीआईपी क्लब में जारी

पुरुष वर्ग में रेयांश अडवानी ने हराव जैन को 6-2, अव्यय जिंदल ने मोर्यान मेघानी को 6-2, उमेश सोनाराम ने आर्यन जय को 6-1, कृषिव जैन ने हिमांक चौहान को 6-2, रेयांश निगम ने अक्षज मिश्रा को 6-1 एवं शारव अरोड़ा को 6-1, अनंत शर्मा ने अर्जन विचित्रा को 6-0, अबीर लूथरा ने ईशान साइमन को 6-4, हर्षिल नाथानी ने नमिश मेघानी को 6-2, आकर्ष पांडेय ने शाश्वत अग्रवाल को 6-0, सिद्ध पटेल ने आशीष सोनाराम को 6-3, कुश गर्ग ने हिरांश लालवानी को 6-1, युवांश भोजवानी ने टंकन राज को 6-2, अमोल ने चैतन्य को 6-3, विहार ने जसमान को 6-1 तथा अयान सरवत ने विवान हरिरामानी को 6-3 से पराजित किया।

बालिका वर्ग में स्निजा नायर ने हरलीन को 6-2 तथा श्रेया साव को 6-1 से हराकर लगातार दो जीत दर्ज की। आकृति अरुण ने अनन्या अन्विता को 6-2, वान्या ने भद्रकर्णिका को 6-1 तथा टाईब्रेक तक पहुंचे रोमांचक मुकाबले में शिवाली को 6-5 (7-0) से हराया। वहीं अरांचा माथुर ने काश्वी को 6-2 तथा भाव्या ने अनन्या अन्विता को 6-1 से पराजित किया। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल भावना एवं अनुशासन का परिचय दिया। कल प्रतियोगिता के दूसरे दिन क्वार्टर फाइनल एवं सेमीफाइनल मुकाबले एवं डबल्स के मुकाबले खेले जायेगे प्रतियोगिता के निर्णायक लुकेश नेताम है यह जानकारी छग टेनिस संघ के उपाध्यक्ष एवं प्रतियोगिता संचालक रूपेंद्र सिंह चौहान ने दी

रसोई में इन चीजों को नहीं रखना चाहिए उल्टा

रसोई घर में रखे जाने वाली वस्तुओं की दिशा और दशा का ध्यान रखना भी बेहद जरूरी होता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ चीजों को उल्टा रखना घर के वातावरण में असंतुलन उत्पन्न कर सकता है। आइए जानते हैं कि रसोई में किन बातों का ध्यान रखना जरूरी माना जाता है।

कढ़ाई को उल्टा न रखें

वास्तु शास्त्र में कढ़ाई को राहु ग्रह का प्रतीक माना गया है। मान्यता है कि रसोई में कढ़ाई को उल्टा करके रखने से घर में अशांति, तनाव और आर्थिक परेशानी बढ़ सकती है। इसलिए कढ़ाई को हमेशा सीधा और सही दिशा में रखें।

धारदार वस्तुएं उलटी न रखें

किचन में इस्तेमाल होने वाले चाकू, कांटे या किसी भी तरह की धारदार वस्तुओं को उलटा रख देना भी वास्तु दोष उत्पन्न कर सकता है। इससे घर के सदस्यों के बीच झगड़े, तनाव और अनबन की संभावना

गैस स्टोव की दिशा का रखें ध्यान

वास्तु शास्त्र के अनुसार रसोई में खाना पकाने के लिए सबसे शुभ दिशा अग्निकोण यानी दक्षिण-पूर्व मानी गई है। इसलिए गैस चूल्हा या स्टोव इसी दिशा में होना चाहिए। यदि यह उत्तर या पश्चिम दिशा में रखा जाए, तो इससे परिवार के स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

राजधानी में मिनीगोल्फ नेशनल्स चैंपियनशिप शुरू

रायपुर। मिनीगोल्फ फेडरेशन ऑफ इंडिया के निर्देशन में मिनीगोल्फ एसोसिएशन ऑफ छत्तीसगढ़ की ओर से 11वीं मिनीगोल्फ नेशनल्स चैंपियनशिप का शुभारंभ शुक्रवार की शाम मुख्य अतिथि प्रदेश के कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने किया। श्री दावड़ा यूनिवर्सिटी, नया रायपुर में 30 जून तक आयोजित इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता का शुभारंभ करते खुशवंत साहेब ने कहा कि खेल युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का विकास करते हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में पहली बार मिनीगोल्फ की राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन प्रदेश के लिए गौरव का विषय है तथा इससे राज्य में इस खेल को नई पहचान मिलेगी।

■ 14 राज्यों के लगभग 300 खिलाड़ी भाग ले रहे

कार्यक्रम की अध्यक्षता दावड़ा यूनिवर्सिटी के सी ई ओ चिन्मय दावड़ा ने की। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में उन्होंने कहा कि इस प्रकार के राष्ट्रीय आयोजन खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का उत्कृष्ट अवसर प्रदान करते हैं तथा खेल संस्कृति को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विशिष्ट अतिथि मिनीगोल्फ फेडरेशन ऑफ इंडिया के

अध्यक्ष सुधाकर कोहले ने सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा आयोजन समिति को सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। विशिष्ट अतिथि प्रवीण मानवटकर,सूरज योतिकर,राजेश सेन्डेकर ,सुरेंद्र चौहान, श्रीराम धर्माधिकारी ने भी अपनी गरिमामय उपस्थिति दी।

आयोजन महासचिव सीमा यादव एवं प्रदेश मीडिया प्रभारी व आयोजन समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष हेमंत खुटे ने बताया कि प्रतियोगिता में उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश, केरल, दिल्ली, पांडिचेरी, पश्चिम बंगाल, असम, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, हिमाचल प्रदेश, ओडिशा, राजस्थान तथा मेजबान छत्तीसगढ़ सहित कुल 14 राज्यों के लगभग 300 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं।

उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता के चयनित खिलाड़ी मेघालय में आयोजित होने वाले नेशनल गेम्स तथा अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिनिधित्व करने के पात्र होंगे। प्रतियोगिता में महिला एवं पुरुष वर्ग की टीम स्पर्धा, सिंगल, डबल तथा मिक्स डबल स्पर्धाएं आयोजित की जा रही हैं। आयोजन को सफल बनाने में आयोजन अध्यक्ष एस. के. साहू, आयोजन महासचिव सीमा यादव, सचिव भूपेंद्र प्रसाद, उपाध्यक्ष जयेश तिवारी, आयोजन समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष हेमंत खुटे , कोषाध्यक्ष वंदना मिंज सहित आयोजन समिति के सदस्य जुटे हुए हैं। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों एवं खिलाड़ियों का आभार आयोजन समिति के अध्यक्ष एस के साहू ने माना।

कार्नर न्यूज

शरीर के अंदर स्वास्थ्य समस्याओं की ओर इशारा है जम्हाई

क्या आपको भी बार-बार जम्हाई आती है तो नींद की कमी के अलावा भी हो सकते हैं दूसरे कारण

अक्सर कुछ लोगों को बहुत ज्यादा जम्हाई आती है। आमतौर पर इसके पीछे नींद की कमी होना बड़ा कारण माना जाता है, लेकिन इसके अलावा भी कुछ कारण हो सकते हैं। आइए,ऐसे ही चार बड़े कारणों के बारे में विस्तार से जानते हैं।

जम्हाई लेना एक ऐसी सामान्य शारीरिक प्रक्रिया है, जिसे हम सभी अनुभव करते हैं। अक्सर हम इसे तुरंत नींद आने या अत्यधिक थकान से जोड़कर देखते हैं, और मान लेते हैं कि बस थोड़ी देर आराम करने से यह ठीक हो जाएगी। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि बार-बार जम्हाई आने के पीछे नींद की कमी के अलावा कई अन्य छिपे हुए कारण भी हो सकते हैं? यह केवल आपकी सुस्ती का संकेत नहीं है, बल्कि कभी-कभी यह शरीर के अंदर स्वास्थ्य समस्याओं की ओर भी इशारा कर सकता है, जिन पर ध्यान देना जरूरी है।

इसलिए, अगर आपको लगता है कि आप सामान्य से ज्यादा जम्हाई ले रहे हैं और पर्याप्त नींद लेने के बाद भी बार-बार जम्हाई आ रही है, तो इसे नजरअंदाज न करें। आइए इस लेख में विस्तार से जानते हैं कि बार-बार

जम्हाई आने के पीछे क्या क्या कारण हो सकते हैं।

मस्तिष्क को ऑक्सीजन की कमी

जम्हाई का एक प्रमुख कारण मस्तिष्क तक पर्याप्त ऑक्सीजन न पहुंचना है। जब शरीर में ऑक्सीजन का स्तर कम होता है या कार्बन डाइऑक्साइड का स्तर बढ़ जाता है, तो मस्तिष्क जम्हाई के माध्यम से तापमान और ऑक्सीजन की मात्रा को नियंत्रित करता है। यह स्थिति गर्म और उमस भरे वातावरण में, या लंबे समय तक एक ही जगह बैठे रहने से हो सकती है। गहरी सांस लेना, ताजी हवा में टहलना, और हवादार जगह पर रहना इस समस्या को कम कर सकता है।

शारीरिक और मानसिक तनाव

तनाव और चिंता भी बार-बार जम्हाई का कारण बन सकते हैं। जब हम तनावग्रस्त होते हैं, तो हमारी सांस लेने की प्रक्रिया अनियमित हो जाती है, जिससे मस्तिष्क को ऑक्सीजन की आपूर्ति प्रभावित होती है। इसके अलावा, तनाव के कारण शरीर का तापमान बढ़ सकता है, जिसे नियंत्रित करने के लिए मस्तिष्क जम्हाई को ट्रिगर करता है। ऐसे में तनाव कम करने के लिए योग, ध्यान, और गहरी सांस लेने की तकनीकें की मदद ले सकते हैं।

दवाओं का दुष्प्रभाव

कुछ दवाएं, जैसे एंटी-डिप्रेसेंट्स, एंटीहिस्टामाइन, या दर्द निवारक दवाएं, बार-बार जम्हाई का कारण बन सकती हैं। ये दवाएं मस्तिष्क के रसायनों को प्रभावित करती हैं, जिससे नींद या

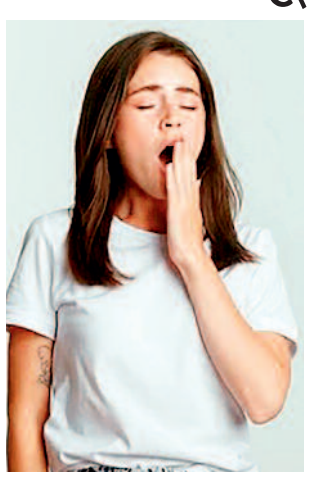

सुस्ती जैसा अनुभव हो सकता है। यदि आपको लगता है कि दवाओं के कारण जम्हाई बढ़ रही है, तो अपने डॉक्टर से परामर्श करें। वे दवा की खुराक को समायोजित कर सकते हैं या वैकल्पिक उपचार सुझा सकते हैं।

स्वास्थ्य समस्याएं

बार-बार जम्हाई कुछ गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का संकेत भी हो सकती है, जैसे स्लीप एपनिया, नार्कोलेप्सी, या थायराइड की समस्या। स्लीप एपनिया में अत्यधिक नींद आती है और रात में सोते समय कई तरह की दिक्कतों का सामना भी करना पड़ता है, जिससे नींद पूरी नहीं हो पाती है और अगले दिन काफी थका हुआ महसूस कर सकते हैं, जिसके कारण दिन में बार-बार जम्हाई आ सकती है। नार्कोलेप्सी भी नींद से जुड़ी एक समस्या है। इसमें व्यक्ति कभी भी और कहीं भी अचानक सो सकता है। इस बीमारी में मरीज को दिनभर में कई बार नींद आती है, जिससे उसे ज्यादा उबासी आती रहती है। यदि जम्हाई के साथ थकान, सिरदर्द, या सांस लेने में तकलीफ जैसे लक्षण दिखें, तो तुरंत चिकित्सक से संपर्क करें।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

सुपरहीरो ही-मैन ने फिर एक बार बड़े पर्दे पर दी दस्तक

हॉलीवुड फिल्मों का चर्चित सुपरहीरो ही-मैन एक बार फिर बड़े पर्दे पर दस्तक दे चुका है। 'ही-मैन एंड द मास्टर्स ऑफ द यूनिवर्स' फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। 'आई हैव द पावर'।।। यह डायलॉग सुनते ही 80 और 90 के दशक में बड़े हुए लाखों फैंस के चेहरे पर मुस्कान आ जाती है। ही-मैन सिर्फ एक कार्टून किरदार नहीं था, बल्कि उस दौर का सुपरस्टार था।1987 में जब ही-मैन पहली बार बड़े पर्दे पर पहुंचा था, तब उम्मीदें भी बड़ी थीं। लेकिन फिल्म बॉक्स ऑफिस पर टिक नहीं पाई। इसके बावजूद डॉल्फ लुंडग्रेन का ही-मैन आज भी फैंस के बीच याद किया जाता है।

करीब चार दशक बाद 'ही-मैन एंड द मास्टर्स ऑफ द यूनिवर्स' के साथ ही-मैन बड़े पर्दे पर लौट आया है। निर्देशक ट्रैविस नाइट के सामने चुनौती सिर्फ एक फिल्म बनाने की नहीं थी, बल्कि यह साबित करने की भी थी कि ही-मैन का जादू आज भी बरकरार है, ऐसे समय में जब दर्शकों के पास 'ड्यून', 'अवतार' और 'हाउस ऑफ द ड्रैगन' जैसी भव्य फैंटेसी दुनिया मौजूद हैं। नई फिल्म ही-मैन की कहानी को थोड़ा अलग तरीके से दिखाती है। इसमें प्रिंस एडम (निकोलस गैलिट्ज़ीन) शुरुआत से ईटर्निया में नहीं रहता, बल्कि बचपन में अपनी दुनिया से बिछड़कर पृथ्वी पर आ जाता है और वहीं बड़ा होता है। कई साल बाद जब उसके हाथ फिर से स्वॉर्ड ऑफ पावर लगती है तो उसे पता चलता है कि वह कोई साधारण युवक नहीं, बल्कि ईटर्निया का उत्तराधिकारी है। उधर स्केलेटर (जैरेड लेटो) ने ईटर्निया पर कब्जा कर लिया है।

बॉलीवुड

निर्देशक आकाशादित्य की 'दुल्हनिया ले आएगी' का फर्स्ट लुक जारी

निर्देशक आकाशादित्य लामा की बहुप्रतीक्षित पारिवारिक ड्रामा और कॉमेडी फिल्म 'दुल्हनिया ले आएगी' अगले महीने 24 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। लेकिन इसके पहले आधिकारिक तौर पर इस फिल्म का फर्स्ट लुक जारी कर दिया गया है। छत्तीसगढ़ के भिलाई और मध्यप्रदेश के ग्वालियर से गहरा नाता रखने वाले आकाश अपनी इस मूवी को लेकर बेहद उत्साहित है। आकाश की यह फिल्म पूरी तरह बॉलीवुड पारिवारिक मनोरंजक (फैमिली एंटरटेनर) है। इस फिल्म का फर्स्ट लुक पसंद किया जा रहा है। मुख्य कलाकार खुशाली कुमार इस फिल्म में एक अनोखी और बेबाक दुल्हन के मुख्य किरदार में हैं। वहीं निर्देशक और अभिनेता महेश मांजरेकर भी एक अहम भूमिका में नजर आएंगे। पीयूष मिश्रा को भी खास किरदार दिया गया है। स्नेहिल दीक्षित मेहरा अन्य महत्वपूर्ण भूमिका में दिखेंगी। यह फिल्म एक ₹बिग फैट इंडियन वेडिंग₹ (बड़ी भारतीय शादी) की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जिसमें कुछ गड़बड़ हो जाती है। कहानी एक ऐसी दुल्हन के इर्द-गिर्द घूमती है, जो रूढ़िवादिता को तोड़ती है लेकिन अपने पारिवारिक मूल्यों से जुड़ी हुई है। फिल्म में इस दुल्हन के सामने एक समय-सीमा है, जो कहानी में कई मजेदार और अप्रत्याशित मोड़ लाती है। मशहूर फिल्म निर्माता प्रियदर्शन ने सोशल मीडिया पर इस फिल्म की सराहना की है। निर्देशक आकाशादित्य लामा ने पूर्व में प्रियदर्शन के साथ काम किया है, इसलिए उन्होंने पूरी टीम को इस अनोखे पारिवारिक प्रोजेक्ट के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। आकाश ने इसके लिए प्रियदर्शन का आभार जताया है।

भोजपुरी

आकांक्षा के साथ रोमांटिक हुआ थाई एक्टर, कुछ ही घंटों में लाखों व्यूज

भोजपुरी इंडस्ट्री में आकांक्षा पुरी का नया गाना 'मिजाजी सईंया' रिलीज होते ही चर्चा में आ गया है। खास बात ये है कि इस गाने में थाई एक्टर निपत चारोएनफोल उर्फ पैट्रिक भी नजर आ रहे हैं। रिलीज के कुछ ही घंटों में गाने को लाखों व्यूज मिल चुके हैं और फैंस इस इंटरनेशनल जोड़ी की जमकर तारीफ कर रहे हैं। आकांक्षा पुरी ने भोजपुरी इंडस्ट्री में खुद की कमाल की पहचान बना ली है, अक्सर वो भोजपुरी गानों के वीडियोज में नजर आती हैं। हाल ही में उनका नया गाना रिलीज हुआ है, जिसको चंद घंटो में लाखों व्यूज हासिल हो चुके हैं। कमाल की बात है कि इस गाने में थाई एक्टर की एंट्री हुई है, जिनका नाम पैट्रिक है, लोग उन्हें निपत चारोएनफोल के नाम से भी जानते हैं। गाने का टाइटल 'मिजाजी सईंया' है, जिसे शिल्पी राज ने गाया है। 8 जून को आकांक्षा पुरी के नए गाने ने रिलीज के बाद सोशल मीडिया पर धूम मचाई है। गाने का टाइटल 'मिजाजी सईंया' है, जो कि गजब की धूम मचा रहा है। इस गाने को टी सीरीज हमार भोजपुरी चैनल पर रिलीज किया है। इस खबर के बनने तक इस गाने को 12 घंटे हुए हैं और तब तक गाने को 6 लाख से ज्यादा लोगों ने देखा है, साथ ही साथ कमेंट सेक्शन में लोगों ने इस गाने की खूब तारीफ की है। गाने में थाई एक्टर का होना भी काफी कमाल का है, जिसके साथ आकांक्षा की जोड़ी बनी है। थाइलैंड के जाने माने एक्टर पैट्रिक उर्फ निपत चारोएनफोल लोगों के बीच अपनी एक वीडियो के चलते आए थे। दरअसल, उन्होंने एक शॉपिंग मार्ट में भोजपुरी गाने पर डांस किया था।

ग्लोबल फ़ैशन में ब्लैक एंड वाइट ड्रेस हमेशा पसंद की जाने वाली क्लासिक स्टाइल रही हैं। ये सादगी और शानदार नफ़ासत के बीच बेहतरीन तालमेल बिठाती हैं। रंगों का यह मशहूर कॉम्बिनेशन हर मौसम और संस्कृति में फिट बैठता है और इसमें क्लासिक रेट्रो प्रिंट से लेकर नए ज़माने के रैंप डिज़ाइन तक, कई तरह के स्टाइल देखने को मिलते हैं।

फिर लौट रहा 'वाय2 के' वाला ट्रेंड्स, लुभा रहा 2000 का ग्लैमर

फिर लौट रहा 'वाय2 के' वाला ट्रेंड्स, लुभा रहा 2000 का ग्लैमर फैशन कभी आउट ऑफ ट्रेंड नहीं होता। साल 2000 के दशक का फैशन ट्रेंड अब 'वाय2के' बनकर लौटा है। मिलेनियल्स और जेन-जी को यह फैशन स्टाइल खूब भा रहा है। दादी का दौर हो या मम्मी का, हर दशक के फैशन की एक खास बात रही है। शायद यही वजह है कि फैशन ट्रेंड्स समय के साथ बदलते जरूर हैं, लेकिन अक्सर वापस लौटते हैं। आज के समय में नई पीढ़ी उस दौर के कपड़े और एक्सेसरीज को नया ट्विस्ट दे रही है, जिससे वे पुराने होते हुए भी ट्रेंडी लगते हैं। ऐसा ही एक फैशन ट्रेंड लौटकर आया है, जिसके दीवाने सेलिब्रिटी से लेकर आम महिलाएं भी हो रही हैं। यह फैशन ट्रेंड है- 'वाय2के'।

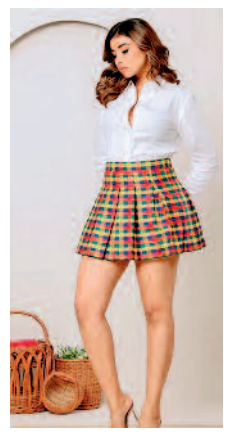

क्या है यह ट्रेंड

वाय 2 के यानी 'ईयर 2000' का फैशन ट्रेंड उस दशक की शुरुआत का ग्लैमरस और बोल्ड स्टाइल था। पॉप कल्चर से प्रेरित यह ट्रेंड फैशन में नॉस्टैल्जिया यानी पुरानी यादों को जोड़ते हुए आपको नए अंदाज से जीने का मौका देता है। नई पीढ़ी के लिए यह इस गर्मी का आकर्षक ट्रेंड बन गया है। जेन-जी और मिलेनियल्स 'वाय2के' फैशन को मॉडर्न ट्रेंड्स और पर्सनल स्टाइल के साथ कॉपी कर रहे हैं, जो पुराने दौर को नए जमाने से जोड़ रहा है।

मैटेलिक फैब्रिक

सिल्वर और गोल्ड शेड्स जैसे ग्लॉसी लुक देने वाले मटेरियल्स 'वाय2के' फैशन की पहचान थे। ये शेड्स पार्टी वियर, बैग, फुटवियर और मेकअप में खूब दिखे। उनका चमकदार, फ्यूचरिस्टिक (अत्याधुनिक) लुक उस दौर की टेक्नोलॉजी और पॉप कल्चर से प्रेरित था। ऐसे में 'वाय2के' ट्रेंड के जरिए मैटेलिक जैकेट्स और शाइनी एक्सेसरीज फिर से युवतियों को आकर्षित कर रही हैं।

पहली बार हेयर कलर कराने जा रहें हैं तो ध्यान रखें इन बातों का

आज के समय में हेयर कलर न सिर्फ सफेद बालों को छिपाने का सही तरीका है, बल्कि अब ये एक स्टाइल स्टेटमेंट भी बन गया है। इसकी वजह से लुक काफी बदल जाता है। इसीलिए अब तो युवाओं के बीच बालों को रंगने का काफी क्रेज है। अगर आप भी अपने बालों को कलर कराना चाहते हैं, तो एक बार पहले अच्छे से सोच लीजिए। यहां आपके लिए कुछ ऐसे टिप्स हैं, जिनका ध्यान आपको तब रखना है, अगर आप पहली बार हेयर कलर करने जा रहे हैं। ऐसा करने से आपको किसी तरह की एलर्जी का खतरा नहीं रहेगा।

अपनी पर्सनालिटी का खास ध्यान रखें।

सही शेड चुनें

अगर पहली बार कलर कराने जा रहे हैं तो कलर चुनने से पहले सोच-समझकर फैसला लें। एक बार गलत कराने से आपका पैसा, समय बर्बाद हो सकता है। इसलिए पहली बार में बहुत ब्राइट या एक्सपेरिमेंटल कलर पहली बार में अवॉइड करें। कलर पसंद करते समय

पैच टेस्ट है सबसे जरूरी

पहली बार बालों में कलर कराना है तो पैच टेस्ट पहले अवश्य करा लें। क्योंकि अगर कलर कराने के बाद ये आपको सूट नहीं किया तो भयंकर एलर्जी का सामना आपको करना पड़ सकता है। कलर लगाने से 24 घंटे पहले पैच टेस्ट करें ताकि किसी एलर्जी या रिएक्शन का खतरा न हो। ऐसा करने से आप एलर्जी से बच जाएंगे।

प्रोफेशनल से करवाना बेहतर

पहली बार हेयर कलर कभी भी घर पर न करें। इसके लिए किसी अच्छे हेयर एक्सपर्ट की सलाह लें। इससे आपको अच्छा एक्सपीरिएंस मिलेगा। एक अच्छा हेयर एक्सपर्ट आपके स्किन और बालों को देखकर ही राय देता है।

कलर से पहले हेयर केयर करें

पहली बार हेयर कलर कराने से एक हफ्ते पहले से ही अपने बालों का खास ध्यान रखें। इसके लिए हेयर कलर से कुछ दिन पहले बालों को अच्छे से मॉइस्चराइज़ और ऑयल करें। यदि आप डैमेज बालों में कलर लगवाएंगे तो इसका असर लंबे समय तक टिकने वाला नहीं होगा।

15 मिनट में चेहरे पर आ जाएगा निखार, लोग पूछेंगे इसका राज

कई बार बिना किसी प्लानिंग के अचानक से पार्टी में जाने का प्लान बन जाता है। ऐसे में आपको ऐसे फेसपैक के बारे में जानना चाहिए, जिन्हें न सिर्फ बनाना बल्कि इस्तेमाल करना भी काफी आसान है।

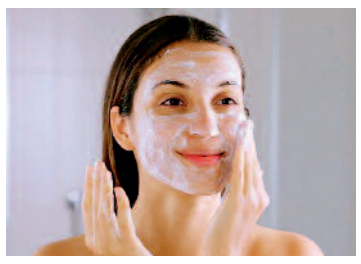

पहला फेस पैक

इस पहले फेस पैक को बनाने के लिए आपको दही, हल्दी और थोड़े से बेसन की जरूरत पड़ेगी। इसे बनाने का तरीका काफी आसान है। इसे तैयार करने के लिए सबसे पहले सभी चीजों को मिलाकर चेहरे पर लगाएं। अच्छी तरह से पैक को लगाने के 10-15 मिनट तक ऐसे ही छोड़ दें। अब 15 मिनट के बाद चेहरे को हल्का गीला करें और फिर हल्के हाथ से मसाज करते हुए साफ कर लें। इस फेस पैक के इस्तेमाल से आपका चेहरा पूरी तरह से खिल उठेगा। पैक को हटाने के बाद मॉइश्चराइज़र लगाएं और टोनर का इस्तेमाल अवश्य करें। इसके बाद आपकी स्किन मेकअप के लिए तैयार है।

दूसरा फेस पैक

इस दूसरे पैक को तैयार करने के लिए आपको केवल दो चीजों की जरूरत पड़ेगी। इन चीजों में एलोवेरा और शहद शामिल है। फेस पैक बनाने के लिए सबसे पहले एक कटोरी में एलोवेरा मिक्स करें। इसके बाद इसमें शहद डालकर दोनों चीजों को अच्छी तरह से मिक्स करें। दोनों चीजों को अच्छे से मिक्स होने के बाद आपका ये फेस पैक तैयार है। अब इसे ब्रश की मदद से अपने चेहरे पर अप्लाई करें और कम से कम 15 मिनट ऐसे ही लगा रहने दें। 15 मिनट के बाद अपने चेहरे को ठंडे पानी से धो लें। इससे आपका चेहरा न सिर्फ टाइट हो जाएगा, बल्कि ग्लो भी करेगा।

जानें हेयर रिमूवर क्रीम के पीछे छिपा कड़वा सच

जल्दबाजी में ज्यादातर लोग ऐसे हेयर रिमूवल क्रीमों का इस्तेमाल करते हैं, जो बाजार में बेहद कम दाम में मिल जाती है।

हो सकता है स्किन बर्न

ज्यादातर हेयर रिमूवल क्रीमों में रसायन तत्व होते हैं, जोकि स्किन बर्न का कारण बन सकते हैं। खासतौर पर कैल्शियम थायोग्लाइकोलेट और पोटैशियम हाइड्रॉक्साइड जैसे तत्वों से तो स्किन की ऊपरी परत जल जाती है, जिससे त्वचा पर छाले हो सकते हैं।

पिगमेंटेशन का रहता है खतरा

यदि आप अपनी स्किन टाइप के हिसाब से हेयर रिमूवल क्रीम का इस्तेमाल नहीं करते हैं तो आपकी त्वचो पर पिगमेंटेशन का खतरा बढ़ जाता है। पिगमेंटेशन में त्वचा पर डार्क पैच आ जाते हैं, जोकि देखने में अजीब लगते हैं। ये दिक्कत ज्यादातर अंडरआर्म्स में सामने आती है।

त्वचा होगी ड्राई

अगर आप बार-बार हेयर रिमूवल क्रीम का इस्तेमाल करते हैं तो आपको संभलने की जरूरत है। क्योंकि ज्यादा हेयर रिमूवल क्रीम के इस्तेमाल से त्वचा का रूखापन काफी बढ़ जाता है, जिस कारण आपको परेशानी हो

सकती है।

हो सकती है एलर्जी

जिन लोगों की त्वचा काफी संवेदनशील है, उनको तो इस हेयर रिमूवल क्रीमों के इस्तेमाल से दूर ही रहना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि अगर आपकी त्वचा संवेदनशील है, तो एलर्जी की प्रतिक्रिया हो सकती है। इसके बाद आप खुजली, सूजन, रैश और लाल दाने जैसी समस्याओं के शिकार हो सकते हैं। अगर आप चाहते हैं कि बिना किसी परेशानी के आप हेयर रिमूवल क्रीम का इस्तेमाल कर लें तो सबसे पहले इसका पैच टेस्ट करके पता लगाएं कि ये आपको सूट करेगी या नहीं। इसके लिए इसके इस्तेमाल से 24 घंटे पहले हाथ या पैर पर क्रीम लगाकर परीक्षण करें।

कार्नर न्यूज

शादी का दिन ज्वेलरी के मामले में बनाएं खास

दुल्हन के लिए खरीदनी है आर्टिफिशियल ब्राइडल ज्वेलरी तो पहले कुछ टिप्स को जरूर जानें

वैसे तो शादी का दिन लड़कियों के साथ-साथ लड़कों के लिए भी बेहद खास होता है, लेकिन अपने लुक को खास बनाने के लिए सबसे ज्यादा मेहनत लड़कियां करती हैं। हर होने वाली दुल्हन अपने ब्राइडल लुक को महीनों पहले से प्लान करने लगती है। वो चाहती हैं कि उनका लहंगा, मेकअप और ज्वेलरी सब एकदम परफेक्ट हो।

लहंगा और मेकअप तो लड़कियां काफी सोच-समय कर खरीदती हैं, लेकिन सही ज्वेलरी का चयन करना उनके लिए काफी मुश्किल हो जाता है। इसी के चलते हम आपको बताएंगे कि ब्राइडल गहने खरीदते समय कुछ बातों का ध्यान अवश्य रखना चाहिए। यदि आप इन बातों का ध्यान रखेंगी तो आपका वेडिंग लुक सबसे कमाल का और खूबसूरत लगेगा।

आउटफिट के साथ मैच करें

ब्राइडल लुक को कंप्लीट करने के लिए यदि आप आर्टिफिशयल गहने खरीदने का प्लान कर रही हैं तो सबसे पहले लहंगा, साड़ी या ब्राइडल ड्रेस फाइनल करें। इसके बाद ही ज्वेलरी खरीदें। ये आउटफिट के हिसाब से ही होनी चाहिए। अगर मैच करानी है तो मैच कराइए, वरना आप कॉन्ट्रास्ट में भी इसे कैरी कर सकती है।

ब्लाउज की नेकलाइन के अनुसार देखें

गले का नेकपीस खरीद रही हैं तो पहले अपने ब्लाउज की नेकलाइन देखें। ऐसा इसलिए क्योंकि ब्राइडल ब्लाउज काफी हैवी होता है। ऐसे में यदि उसके साथ सही ज्वेलरी का चयन आप नहीं करेंगी तो इससे आपका लुक ही पूरी तरह से खराब हो जाएगा। नेकलाइन और ज्वेलरी के बीच में गैप होना बेहद जरूरी है।

क्वालिटी अवश्य चेक करें

आपके ब्राइडल लुक में हर एक चीज परफेक्ट होनी चाहिए। ऐसे में पैसे

बचाने के लिए खराब क्वालिटी की ज्वेलरी कतई न खरीदें। कई बार खराब क्वालिटी के गहनों से स्टोन अपने आप ही निकलने लगते हैं, जिससे आपका लुक खराब हो सकता है। स्टोन के साथ-साथ मटेरियल की फिनिशिंग, पॉलिश और वर्क को ध्यान से देखें।